दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 90 ■ दमण, मंगलवार 23 दिसंबर 2025 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

प्रशासक प्रफुल पटेल ने दादरा में नवनिर्मित नूतन रत्नलीला आराधना भवन का किया लोकार्पण

■ प्रशासक प्रफुल पटेल ने परम पूज्य आचार्य भगवंत श्री प्रबोधचंद्रसूरीश्वरजी महाराज से सौजन्य भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 22 दिसंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल दादरा में नवनिर्मित नूतन रत्नलीला आराधना भवन के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रशासक प्रफुल पटेल ने जैन मुनियों की उपस्थिति में नूतन रत्नलीला आराधना भवन का विधिवत उद्घाटन किया। इस पावन अवसर पर प्रशासक प्रफुल पटेल ने जैन समाज के सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद किया। नूतन रत्नलीला आराधना भवन आध्यात्मिक गतिविधियों, धार्मिक प्रवचनों एवं सामाजिक आयोजनों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जिससे क्षेत्र में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों को बढ़ावा मिलेगा। उद्घाटन के पश्चात प्रशासक प्रफुल पटेल ने परम पूज्य आचार्य भगवंत श्री प्रबोधचंद्रसूरीश्वरजी महाराज से सौजन्य भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आध्यात्मिक मार्गदर्शन, सामाजिक सद्भाव एवं नैतिक मूल्यों पर विचार-विमर्श हुआ। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में धार्मिक गुरु, समाज के गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। नूतन रत्नलीला आराधना भवन का उद्घाटन दादरा के जैन समाज के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है तथा यह दादरा नगर हवेली क्षेत्र के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विकास में सहायक सिद्ध होगा।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से दमण और दीव सांसद उमेश पटेल ने माछीमार परिवारों के साथ की मुलाकात

■ पाकिस्तान की जेलों में बंद भारतीय मछुआरों को छुडाने की मांग करते हुए आवेदन पत्र सौंपा ■ माछीमार परिवारों ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को बताई अपनी व्यथा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 22 दिसंबर। देश की राजधानी नई दिल्ली में आज दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने पाकिस्तान की जेलों में बंद भारतीय मछुआरों को छुडाने के लिए माछीमार प्रतिनिधि मंडल के साथ विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात की। इस दौरान सांसद उमेश पटेल ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को पाकिस्तानी के जेलों में बंद भारतीय मछुआरों की दयनीय स्थिति, मानव अधिकारों का हनन तथा मछुआरों पर पाकिस्तान की जेलों में दी जा रही शारीरिक और मानसिक यातनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर पाकिस्तान की जेलों में बंद मछुआरों के परिवारजनों ने भी अपनी व्यथा बताई। सांसद उमेश पटेल ने विदेश मंत्री को जानकारी देते हुए कहा कि पाकिस्तान की जेलों में 209 मछुआरे बंद है। इनमें से 24 उनके संसदीय क्षेत्र दमण-दीव के हैं और 134 पडोशी राज्य गुजरात के हैं। बाकी अन्य राज्यों के हैं। इन सभी मछुआरों को पाकिस्तान मरीन सिक्योरिटी एजेंसी द्वारा गिरफ्तार किया गया था। पिछले कई वर्षों से ये मछुआरे पाकिस्तान की जेलों में दयनीय स्थिति में जी रहे हैं। पाकिस्तान अथॉरिटी द्वारा इन मछुआरों को तरह-तरह की यातनाएं दी जा रही है। सांसद ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे को लोकसभा पटल पर भी उठाया था लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई है। सांसद उमेश पटेल ने 2008 के भारत-पाकिस्तान कांसुलर एक्सेस समझौते का हवाला देते हुए कहा कि दोनों देशों को हर महीने कैदियों की रिहाई और प्रत्यर्पण सुनिश्चित करना चाहिए, भले ही उनका राष्ट्रीयता सत्यापन और सजा पूरी हो गई हो। उन्होंने भारत-पाकिस्तान न्यायिक समिति ऑन प्रिजनर्स को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जो 2008 में गठित की गई थी और कैदियों की सुरक्षित रिहाई के लिए प्रभावी तंत्र प्रदान करती है। इसके अलावा सांसद उमेश पटेल ने भारतीय मछुआरों की 1,200 से अधिक नावों की जप्ती और क्षति का मुद्दा भी उठाया, जो पाकिस्तानी हिरासत में हैं। कई नावें अपूरणीय रूप से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं और उन्हें जल्द से जल्द लौटाने की मांग की गई है। सांसद उमेश पटेल ने कहा कि यह मुद्दा मानवीय है और हमारे नागरिकों के अधिकारों से जुड़ा है। मैं विदेश मंत्री जी से अपील करता हूं कि तत्काल कार्रवाई करें और पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय तंत्र को सक्रिय करें ताकि ऐसे मामले भविष्य में न हों। यह मुलाकात मछुआरों के परिवारजनों के लिए उम्मीद की किरण है और सांसद उमेश पटेल ने केंद्र सरकार से इस दिशा में ठोस कदम उठाने का आग्रह किया है।

दीव प्रशासन ने बुचरवाडा में 1,50,000 स्क्वेयर फीट सरकारी जमीन से अतिक्रमणों को हटाया

■ बुचरवाडा में सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटने से एयरपोर्ट के विस्तरण प्रोजेक्ट में उपयोग में ली ज सकेगी यह जमीनें

■ प्रशासक प्रफुल पटेल का संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के तीनों जिला प्रशासन को स्पष्ट है निर्देश सरकारी जमीन पर एक इंच भी अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं करना है

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 22 दिसंबर। दीव प्रशासन ने बुचरवाडा क्षेत्र में 1,50,000 स्क्वेयर फीट सरकारी जमीन पर से अतिक्रमणों को हटाया है। दीव प्रशासन ने बुचरवाडा सरकारी जमीन सर्वे नं. 175 सब डिवीजन नं. 1 से 24 में बनाये गये अनेक मकानों, प्रोटेक्शन वॉलों एवं अन्य अवैध निर्माणों को आज ढहाकर सरकारी जमीनों को खाली कराया है। एक ही दिन में करोडों रूपये की सरकारी जमीनों से अतिक्रमण हटने से इस क्षेत्र में सरकार के एयरपोर्ट विस्तारीकरण प्रोजेक्ट में यह जमीन काफी काम आने वाली है। गौरतलब है कि प्रशासक प्रफुल पटेल का तीनों जिलों के प्रशासन को यह स्पष्ट निर्देश है कि सरकारी जमीन पर एक इंच भी अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं करना है। इसी पर अमल करते हुए प्रशासन लगातार सरकारी जमीनों पर कब्जा या अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान जारी रखे हुए हैं।

दानह एसडीएम ने चीनी मांझे के उपयोग और बिक्री पर लगाया प्रतिबंध

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 22 दिसंबर। दादरा नगर हवेली में चीनी मांझा के उपयोग, बिक्री एवं परिवहन पर रोक लगाई गई है। इस बावत दानह एसडीएम ने आदेश जारी किया है। जिसमें बताया गया है कि जिला प्रशासन के संज्ञान में लाया गया है कि सिंथेटिक पतंग उड़ाने वाले धागे, जिसे आमतौर पर चीनी मांझा के रूप में जाना जाता है, का उपयोग, बिक्री, भंडारण और परिवहन, नायलॉन / प्लास्टिक / सिंथेटिक सामग्री से बना होता है और अक्सर कांच या धातु की धूल के साथ लेपित होता है। दादरा नगर हवेली जिले में प्रचलित है और ऐसे चीनी मांझे के कारण अनेक समस्याएं पाई गई हैं। जिसमें इंसानों को गंभीर चोटें और मौतें, खासकर दोपहिया वाहन सवारः पक्षियों और जानवरों को गंभीर नुकसान, इसकी गैर-बायोडिग्रेडेबल प्रकृति के कारण पर्यावरणीय क्षति शामिल हैं। जबकि भारत सरकार ने पहले ही इस पर रोक लगा दी है। पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 के तहत सिंथेटिक मांझा के निर्माण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है, और विभिन्न उच्च न्यायालयों ने इस प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। दादरा नगर हवेली जिले में सार्वजनिक सुरक्षा, पशु कल्याण और पर्यावरण की रक्षा के लिए तत्काल रोकथाम आवश्यक है। अतः अब धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दानह एसडीएम अमित कुमार ने भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता 2023 के तहत दादरा नगर हवेली जिले के अधिकार क्षेत्र में चीनी मांझा या नायलॉन / प्लास्टिक / सिंथेटिक मटीरियल से बने किसी भी सिंथेटिक पतंग उड़ाने वाले धागे, चाहे वह कोटेड हो या अनकोटेड, का बनाना, बेचना, स्टोर करना, सप्लाई करना और इस्तेमाल करना पूरी तरह से मना है। कोई भी व्यक्ति इस ऑर्डर को तोड़ता हुआ पाया जाएगा, तो उसका सामान जप्त कर लिया जाएगा और कानून के संबंधित नियमों के तहत उस पर केस चलाया जाएगा। यह ऑर्डर जारी होने की तारीख से दो महीने तक लागू रहेगा, जब तक इसे पहले वापस न ले लिया जाए। ऑर्डर को जानकारी और जरूरी कार्रवाई के लिए पब्लिक डोमेन में रखा गया है, क्योंकि ऑर्डर को अलग-अलग सर्व नहीं किया जा सकता है।

योगी सरकार ने शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट पेश किया

लखनऊ (एजेंसी)। योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में दोनों सदनों में अनुपूरक बजट पेश किया। अनुपूरक बजट में विकासपरक क्षेत्रों को प्राथमिकता मिली है। योगी सरकार ने कैबिनेट से पास कराने के बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट पेश किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में बजट प्रस्तुत किया, जिसका कुल आकार 24,496.98 करोड़ रुपये है। यह मूल बजट (आठ लाख, आठ हजार करोड़ रुपये) का करीब 3.03 प्रतिशत है। अनुपूरक बजट को कैबिनेट से पास कराने के बाद दोपहर में सदन में पेश किया। अगले वर्ष होने वाले पंचायत चुनाव के मद्देनजर अनुपूरक बजट में सरकार ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं के लिए धनराशि दी है। एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के कार्यों के लिए भी धनराशि के साथ लोक निर्माण विभाग को भी सड़क परियोजनाओं के लिए राशि प्रदान की। ग्राम्य विकास, धर्मार्थ कार्य व पर्यटन स्थलों के विकास के लिए भी सरकार अनुपूरक बजट में धनराशि दी है। इस अनुपूरक बजट का मुख्य उद्देश्य मौजूदा योजनाओं में अपर्याप्त प्रावधानों को पूरा करना, नई आवश्यकताओं को पूरा करना और विकास कार्यों को बिना रुकावट के आगे बढ़ाना है। इसमें राजस्व व्यय के लिए 18,369.30 करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय के लिए 6,127.68 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

साइबर ठगों ने वाहन चालान के नाम पर लगाया 2.37 लाख का चूना

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। साइबर फ्रॉड गिरोह के शातिर बदमाशों ने बसंतपुरपट्टी निवासी सुजीत कुमार के खाते में सेंध लगा दी। साइबर ठगों ने वाहन चालान के नाम एक संदिग्ध एपीके फाइल भेजा। इस पर क्लिक कर मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद शातिरों ने उनके फ्लिपकार्ट अकाउंट और क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर करीब 2.37 लाख की ऑनलाइन शापिंग कर डाली। पीड़ित के अनुसार, उनके मोबाइल पर वाहन चालान कटने का एक संदेश आया था। संदेश के साथ एक लिंक दिया गया था, इस आधिकारिक समझकर जैसे ही उन्होंने क्लिक किया, मोबाइल काम करना बंद कर दिया। मोबाइल हैक करने के बाद शातिरों ने क्रेडिट कार्ड्स का विवरण हासिल कर खरीदारी शुरू कर दी। क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 36 हजार 248 और 70 हजार 298 रुपये की दो बार में शॉपिंग की। इसके बाद दूसरे क्रेडिट कार्ड से 30 हजार 386 की शॉपिंग की। तीसरे क्रेडिट कार्ड से 70 हजार 298 की शॉपिंग की गई। ऑर्डर कैंसिल होने के कारण यह राशि वापस आ गई। 2.37 लाख रुपये ठगी के बाद पीड़ित ने साइबर थाने में प्राथमिकी कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रांजैक्शन डिटेल्स के जरिए शातिरों तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है।

गणतंत्र दिवस समारोह के चलते सुरक्षाबलों ने चलाया स्टेडियम के पास तलाशी अभियान

जम्मू (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने बख्शी स्टेडियम के आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। बख्शी स्टेडियम कश्मीर में गणतंत्र दिवस समारोह का मुख्य आयोजन स्थल है। अमीराकदल और महाराजा बाजार के घनी आबादी वाले व्यावसायिक क्षेत्रों की कुछ आवासीय इकाइयों में विस्फोटक, हथियार और गोला-बारूद की तलाश के लिए खोजी कुत्तों और मेटल डिटेक्टर की मदद ली गई है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया कि अब तक सुरक्षा बलों को तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि तोड़फोड़ विरोधी जांच और तलाशी अभियान बख्शी स्टेडियम के पास स्थित क्षेत्रों में चलाए गए जो कश्मीर में गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस समारोह का मुख्य स्थल है। लाल चौक स्थित ऐतिहासिक क्लॉक टावर अमीराकदल से कुछ ही दूरी पर स्थित है जहां तलाशी अभियान चलाया। क्लॉक टावर पिछले चार सालों में एक पर्यटन केंद्र में बदल गया है।

भारतीय नौसेना की जासूसी करने के मामले में तीसरा आरोपी भी पकड़ाया

बेंगलुरु (एजेंसी)। उडुपी पुलिस ने मालपे कोचीन शिपयार्ड से जुड़े कर्मचारियों ने भारतीय नौसेना से संबंधित संवेदनशील जानकारी लीक करने के मामले में तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि तीसरे आरोपी की पहचान गुजरात के आणंद जिले के कैलाश नगरी निवासी भरत कुमार खदयाट के पुत्र हिरेंद्र कुमार (34) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों पर अवैध वित्तीय लाभ के बदले नौसेना संचालन और प्रतिष्ठानों से संबंधित गोपनीय जानकारी को पाकिस्तान स्थित अपने संचालकों को भेजने का शक है। इससे पहले 21 नवंबर को पुलिस ने इस मामले में यूपी के रहने वाले रोहित और संत्री को गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। पुलिस इनसे पूछताछ कर जानकारी हासिल करेगी कि इन्होंने संवेदनशील जानकारी किसको पहुंचाई।

यूक्रेनी सेना की कैद में भारतीय छात्र... मां को भेजा वीडियो संदेश, पीएम मोदी से मदद की गुहार

अहमदाबाद (एजेंसी)। यूक्रेनी सेना की कैद से गुजरात के एक छात्र साहिल मोहम्मद हुसैन ने वीडियो संदेश भेजा है। इसमें भारतीय युवाओं से किसी भी परिस्थिति में रूसी सेना में शामिल न होने की अपील की गई है। भारतीय छात्र हुसैन का आरोप है कि रूस में एक झूठे ड्रग्स मामले में फंसाकर ब्लैकमेल किया और जबरन रूसी सेना में शामिल होने के लिए मजबूर किया। हुसैन को यूक्रेन में अभी कहा रखा गया हैं इसकी कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। यूक्रेनी सुरक्षा बलों ने हुसैन के वीडियो गुजरात में उसकी मां को भेजा। इसके बाद मां ने बेटे की सुरक्षित वापसी के लिए दिल्ली की अदालत में याचिका दायर की है। इस मामले की अगली सुनवाई फरवरी में होगी। वीडियो में हुसैन कह रहा हैं कि मैं 2024 में पढ़ाई के लिए रूस आया था। लेकिन आर्थिक और वीजा संबंधी समस्याओं के कारण मैं कुछ रूसियों के संपर्क में आया, जो बाद में नशीले पदार्थों के धंधे से जुड़े निकले। रूस में कम से कम 700 लोगों को ड्रग्स के आरोप में जेल में डाला गया। लेकिन जेल प्रशासन ने सिर्फ मुझे ही ऑफर दिया कि अगर मैं रूसी सेना में शामिल होता हूं, तब ड्रग्स केस वापस ले लिया जाएगा। मैंने उनकी बात मानकर 15 दिनों के प्रशिक्षण के बाद सीधे युद्ध के मोर्चे पर भेज दिया गया। मोर्चे पर पहुंचते ही मैंने सबसे पहले यूक्रेनी सेना के सामने आत्मसमर्पण किया। अब मैं उनके कब्जे में हूं। लेकिन रूस आने वाले युवाओं के लिए मेरा संदेश है, 'सावधान रहें'। यहां बहुत से ठग हैं जो आपको झूठे ड्रग्स केस में फंसा सकते हैं। मैं भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करता हूं, कृपया मेरी मदद करें। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हाल ही में भारत आए थे। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि मेरी सुरक्षित घर वापसी के लिए पुतिन से बात करें।

हिमाचल में बदला मौसम: ऊंची चोटियों पर बर्फबारी, मैदानी इलाकों में घने कोहरे ने घेरा

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जिससे समूचा प्रदेश कड़ाके की ठंड की चपेट में आ गया है। रविवार को राज्य के ऊंचाई वाले इलाकों, विशेष रूप से रोहतांग दर्रा, अटल टनल के आसपास के क्षेत्रों और शिंकुला दर्रा पर हल्की बर्फबारी दर्ज की गई। इस ताजा हिमपात ने जहां पहाड़ों पर चांदी जैसी सफेदी बिखेर दी है, वहीं निचले इलाकों में भी मौसम काफी खराब बना हुआ है। पर्यटन नगरी मनाली, कुल्लू और राजधानी शिमला सहित कई स्थानों पर दिन भर बादलों का डेरा रहा, जिससे धूप की तपिश कम हो गई और ठिठुरन बढ़ गई। मैदानी जिलों जैसे बिलासपुर और ऊना में घने कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम रही, जबकि मंडी जिले के कुछ हिस्सों में भी धुंध का असर देखा गया। राज्य के कम से कम 25 प्रमुख शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर चुका है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आगामी दिनों के लिए चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि प्रदेश में मौसम और बिगड़ने की संभावना है। 22 दिसंबर को किन्नौर और लाहौल-स्पीति जिलों के कुछ स्थानों पर मध्यम से तेज बर्फीली हवाएं चलने का अनुमान है, जिसके लिए विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही चंबा, लाहौल-स्पीति और किन्नौर के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। कांगड़ा, मंडी, शिमला और कुल्लू जैसे मध्य पहाड़ी जिलों में भी एक-दो स्थानों पर फुहारें पड़ने या हल्का हिमपात होने की उम्मीद है। मैदानी क्षेत्रों, विशेषकर भाखड़ा बांध के समीपवर्ती इलाकों और मंडी की बल्ह घाटी में 25 दिसंबर तक सुबह और देर रात के समय घना कोहरा छाए रहने की भविष्यवाणी की गई है, जो यातायात के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें तो लाहौल-स्पीति का कुकुमसेरी प्रदेश में सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे -2.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। ताबो में पारा 1.1 डिग्री रहा, जबकि कल्पा में 3.4 और सोलन में 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी शिमला में न्यूनतम तापमान 11.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जो ऊंचाई के हिसाब से अन्य क्षेत्रों की तुलना में थोड़ा अधिक है। सुंदरनगर, ऊना, नाहन और हमीरपुर जैसे इलाकों में भी न्यूनतम तापमान 5 से 8 डिग्री के बीच बना हुआ है। आगामी 3 से 4 दिनों में राज्य भर के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की और गिरावट आने की संभावना है।

दिन के तापमान की बात करें तो सोलन में अधिकतम पारा 23.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सर्वाधिक रहा। शिमला में अधिकतम तापमान 17.3 डिग्री, जबकि मनाली में 15.2 और कुफरी में 14.1 डिग्री सेल्सियस रहा। जनजातीय क्षेत्रों जैसे ताबो और कुकुमसेरी में दिन का तापमान भी 11 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 27 दिसंबर तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम मुख्यतः साफ रहेगा, लेकिन इस दौरान न्यूनतम तापमान में गिरावट जारी रहने से सुबह और शाम की ठंड और अधिक कष्टदायक हो सकती है। ऊंची पहाड़ियों पर तापमान गिरने से प्राकृतिक जल स्रोतों के जमने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

मुंबई जा रहा एयर इंडिया के विमान में आई तकनीकी गड़बड़ी, वापस दिल्ली की लैंडिंग

नई दिल्ली। दिल्ली से मुंबई जा रही एयर इंडिया की उड़ान में तकनीकी समस्या आने के बाद विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर वापस लैंडिंग करानी पड़ी। उड़ान ने सोमवार को दिल्ली से टेक-ऑफ किया था, लेकिन कुछ ही देर बाद तकनीकी गड़बड़ी के संकेत मिलने पर फ्लाइट क्रू ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत एहतियातन वापस लौटने का फैसला लिया। जानकारी के मुताबिक विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारा गया और सभी यात्री व क्रू मेंबर सुरक्षित बाहर निकाले गए। यात्रियों को हुई इस असुविधा के लिए एयर इंडिया ने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि स्थिति पूरी तरह अप्रत्याशित थी, लेकिन यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विमान की वापस लैंडिंग के बाद तकनीकी जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इंजीनियरिंग टीम विमान का निरीक्षण में जुट गई है। विमान की लैंडिंग के बाद ग्राउंड स्टाफ ने दिल्ली में यात्रियों को तत्काल मदद पहुंचाई। साथ ही, यात्रियों को मुंबई भेजने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई है। विमान की लैंडिंग को लेकर एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत 22 दिसंबर को दिल्ली से मुंबई जाने वाली फ्लाइट एई887 के क्रू ने तकनीकी गड़बड़ी के कारण टेक-ऑफ के तुरंत बाद दिल्ली लौटने का फैसला किया। दिल्ली में विमान सुरक्षित लैंड कर गया है। साथ ही यात्रियों और क्रू को विमान से उतार लिया गया। प्रवक्ता ने कहा कि एयर इंडिया इस अप्रत्याशित स्थिति के कारण हुई असुविधा के लिए माफी मांगती है। विमान की जरूरी जांच की जा रही है। दिल्ली में हमारी ग्राउंड टीम यात्रियों को तुरंत मदद दे रही है और उन्हें जल्द ही उनके डेस्टिनेशन तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए गए हैं। एयर इंडिया में हमारे यात्रियों और क्रू की सुरक्षा और भलाई हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

मनरेगा के मुद्दे पर हमलावर अखिलेश यादव... केंद्र सरकार ने करोड़ों जाब कोर्ड को रद्द किया

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव द्वारा मनरेगा के मुद्दे पर केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ जमकर हमला किया है। उनके आरोपों का मुख्य केंद्र करोड़ों जॉब कार्डों का रद्द होना और केंद्र द्वारा पेश किए गए नए वित्तीय बदलाव हैं।

अखिलेश यादव ने दावा किया कि कई राज्यों में लाखों मनरेगा कार्ड रद्द कर दिए गए हैं। उनके अनुसार, यह सरकार की गरीब विरोधी मानसिकता को दिखाता है। उनके द्वारा दिए गए आंकड़े इस प्रकार हैं- बिहार 1.04 करोड़, उत्तर प्रदेश 90.4 लाख, ओडिशा 41.6 लाख, मध्य प्रदेश 32.7 लाख, पश्चिम बंगाल 24.2 लाख, राजस्थान 10.5 लाख मनरेगा कार्ड रदद कर दिए गए है।

हाल ही में सदन में पास हुए बिल वीबी-जी राम जी विधेयक की कड़ी आलोचना करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र और राज्यों के बीच 60-40 का प्रस्तावित बंटवारा राज्य सरकारों पर भारी वित्तीय बोझ डालेगा। उनका मानना है कि इस बदलाव से केंद्र और राज्यों के बीच विवाद बढ़ेगा और फंड मिलने में देरी होगी, जिससे अंततः गरीब मजदूरों को नुकसान होगा। सपा प्रमुख ने केंद्र सरकार की नीतियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा के शासन में सकारात्मक चीजें (जैसे रोजगार और योजना का लाभ) घट रही हैं, जबकि नकारात्मक चीजें (महंगाई, भ्रष्टाचार और नफरत) बेलगाम बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश जैसी सरकारें अपने आंकड़ों में हेराफेरी कर रही हैं ताकि अपनी विफलताओं को छिपा सकें। यह विवाद मुख्य रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ मनरेगा के भविष्य और उसकी फंडिंग को लेकर है। विपक्ष इसे गरीबों के अधिकारों पर हमला बता रहा है, जबकि प्रशासनिक दृष्टिकोण से अक्सर डुप्लीकेट कार्डों या आधार लिंकिंग न होने के कारण कार्ड रद्द किए जाते हैं।

पश्चिम बंगाल की सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी हुमायूं कबीर की पार्टी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में एक नया राजनीतिक तूफान आने वाला है। बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले पूर्व विधायक हुमायूं कबीर नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा करने जा रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस ने 4 दिसंबर को उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। कबीर ने स्पष्ट किया कि उनकी नई पार्टी 2026 के विधानसभा चुनाव में राज्य की 182 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जरूरत पड़ने पर वे पूरे राज्य की सभी 294 सीटों पर उम्मीदवार उतार सकते हैं।

कबीर ने कहा कि उनकी पार्टी का चुनाव चिन्ह टेबल, गुलाब या नारियल का पेड़ में से कोई एक हो सकता है। उन्होंने बताया कि टेबल उनकी पहली पसंद है, लेकिन अंतिम फैसला चुनाव आयोग पर निर्भर करेगा। पार्टी का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन कबीर ने जोर देकर कहा कि इसमें कांग्रेस या तृणमूल जैसे शब्द नहीं होंगे। उन्होंने कहा, पार्टी का नाम जो भी हो, बंगाल की जनता खुद को उससे जोड़कर देख सकेगी। हमारी पार्टी जनता का प्रतिनिधित्व करेगी और सिर्फ विकास की बात करेगी। कबीर ने अपनी रणनीति के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले की 30 विधानसभा सीटों पर विशेष फोकस किया है। उन्होंने कहा कि वे मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के साथ तीन सीटें, भारतीय सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के साथ एक सीट और अधीर रंजन चौधरी के नेतृत्व वाली कांग्रेस के साथ नौ सीटें साझा करने का प्रस्ताव रखेंगे। अगर ये दल सहमत नहीं हुए तो उनकी पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी और मुर्शिदाबाद की सभी 30 सीटें जीतने का दावा किया।

उन्होंने कहा, हम मुर्शिदाबाद के लिए नया इतिहास रचेंगे, जहां 2026 के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस का सफाया हो जाएगा। रविवार को उन्होंने घोषणा की कि 22 दिसंबर को नई पार्टी का औपचारिक ऐलान होगा। उसी दिन 75 सदस्यों वाली राज्य समिति की घोषणा की जाएगी, जिसमें मुर्शिदाबाद जिला अध्यक्ष भी शामिल होंगे। इसके बाद वे गठबंधन की संभावनाओं पर फैसला लेंगे। कबीर ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में अगली सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। वे दावा करते हैं कि उनकी पार्टी बंगाल की जनता के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है और विकास, एकता तथा सामाजिक न्याय पर आधारित एजेंडा लेकर आगे बढ़ेगी। यह नई पार्टी का उदय पश्चिम बंगाल की राजनीति में नए समीकरण बना सकता है, खासकर 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले।

आरएसएस भाजपा की राजनीतिक ढाल, आप सांसद संजय सिंह का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने भाजपा और आरएसएस के बीच के वैचारिक और संगठनात्मक संबंधों पर एक तीखा हमला किया है। आप सांसद ने आरएसएस की निष्पक्षता पर सवाल उठाकर इस भाजपा की राजनीतिक ढाल करार दिया है। आप सांसद सिंह का तर्क है कि दोनों संगठन एक-दूसरे के पूरक हैं। भाजपा के सदस्य गर्व से खुद को स्वयंसेवक बताते हैं और आरएसएस ने ही भाजपा की नींव रखी है। उनका आरोप है कि भाजपा द्वारा विपक्षी पार्टियों को तोड़ने, भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग जैसे गंभीर मुद्दों पर संघ ने हमेशा चुप्पी साधी रखी है। आप नेता के अनुसार, आरएसएस केवल एक सांस्कृतिक संगठन नहीं है, बल्कि वह जमीन पर भाजपा के लिए चुनावी मशीनरी की तरह काम करता है। इसके विपरीत, मोहन भागवत ने कोलकाता में संघ की एक स्वतंत्र पहचान पर जोर दिया। भागवत का कहना है कि संघ को भाजपा के चश्मे से देखना एक बड़ी गलती है। उनके अनुसार, आरएसएस को अन्य राजनीतिक या सेवा संगठनों के साथ तुलना करके नहीं समझा जा सकता। इसकी कार्यप्रणाली और उद्देश्य राजनीति से परे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो लोग संघ को केवल भाजपा का विस्तार मानते हैं, वे संगठन की व्यापकता और उसके 100 साल के इतिहास को समझने में विफल रहे हैं। यह वाकयुद्ध तब समय में हो रहा है जब विपक्ष लगातार यह नैरेटिव बनाने की कोशिश कर रहा है कि संवैधानिक संस्थाओं और सांस्कृतिक संगठनों पर एक विशेष विचारधारा का प्रभुत्व बढ़ रहा है।

भागवत के बयान पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश का पलटवार... गृहमंत्री पटेल ने गुरु गोलवलकर से क्या कहा था?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और महासचिव जयराम रमेश ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान की निंदा की, जिसमें उन्होंने आरएसएस के गठन के कारण और सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा दिए गए निर्देशों पर सवाल उठाया था। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था। देश के पहले गृहमंत्री पटेल ने गुरु गोलवलकर से क्या कहा था? आप एक गुप्त संगठन हैं। एक संस्था बनिए। पारदर्शिता लाइए। गुप्त रूप से काम मत कीजिए। यह सरदार पटेल का आरएसएस को लिखा पत्र है।

कांग्रेस नेता रमेश ने आरएसएस की इस बात पर आलोचना की कि संगठन ने 50 वर्षों से अधिक समय तक अपने नागपुर मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया, ध्वज संहिता में बदलाव के बाद ही 2002 में फिर से शुरू किया। इसके अलावा, रमेश ने संघ की विचारधारा पर सवाल उठाकर 26 नवंबर, 1949 को भारत के संविधान को अपनाने के कुछ दिनों बाद रामलीला मैदान में अंबेडकर, सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी के पुतले जलाने की घटना का जिक्र किया। उन्होंने पूछा, किस विचारधारा ने ऐसा माहौल बनाया, जिसके कारण महात्मा गांधी की हत्या हुई?

उन्होंने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसद और कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश का जिक्र किया, जिनसे जब पूछा गया कि गांधी या गोडसे? तब उन्होंने कहा, मुझे सोचना पड़ेगा, फिर भी उन्हें टिकट मिला और जिताया गया। उन्होंने कहा कि इसतरह के लोग राष्ट्रवाद के प्रमाण पत्र बांटने में व्यस्त हैं। उनकी ये टिप्पणियां आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान के बाद आईं, जिसमें उन्होंने कहा था कि आरएसएस एक कट्टर राष्ट्रवादी संगठन है।

कोलकाता में आरएसएस 100 व्याख्यान माला कार्यक्रम को संबोधित कर संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि संघ हमेशा से यह तर्क देता आया है कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है, क्योंकि यहां की संस्कृति और बहुसंख्यक लोगों का हिंदू धर्म से जुड़ाव है। हालांकि, धर्मनिरपेक्ष शब्द मूल रूप से संविधान की प्रस्तावना का हिस्सा नहीं था, लेकिन इस तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लागू आपातकाल के दौरान संविधान (42वां संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा समाजवादी शब्द के साथ जोड़ा गया था।

जांच हुई तेज- मुख्यमंत्री नीतीश को धमकी देने वाला पाकिस्तानी गैंगस्टर भट्टी पुलिस की रडार पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सोशल मीडिया के जरिए धमकी देने वाले पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के खिलाफ पटना पुलिस ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। एक मिनट का वीडियो जारी कर मुख्यमंत्री को सीधे तौर पर धमकाने वाले इस गैंगस्टर की तलाश के लिए पुलिस अब तकनीकी साक्ष्यों का सहारा ले रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि शहजाद भट्टी वर्तमान में कहां छिपा है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उसकी सक्रियता का क्या स्वरूप है।

इस गंभीर मामले की जांच के लिए पटना पुलिस ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी को आधिकारिक ई-मेल भेजकर विस्तृत जानकारी मांगी है। पुलिस ने विशेष रूप से यह पूछा है कि गैंगस्टर ने यह विवादित वीडियो पाकिस्तान के किस शहर या स्थान से अपलोड किया था। सोशल मीडिया

कंपनियों से उस अकाउंट का आईपी एड्रेस और लॉगिन हिस्ट्री भी मांगी गई है, ताकि उसकी सटीक लोकेशन का पता लगाया जा सके। साइबर थाने में इस संबंध में पहले ही प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है और पुलिस को अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जवाब का इंतजार है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी कमान पटना के आईजी जितेंद्र राणा खुद संभाल रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जैसे ही तकनीकी रिपोर्ट प्राप्त होगी, जांच के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। यह पूरा विवाद हाल ही में मुख्यमंत्री सचिवालय में आयोजित एक कार्यक्रम से शुरू हुआ, जहां आयुष चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे थे। इस कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ था, जिसमें एक महिला चिकित्सक नुसरत परवीन के हिजाब को लेकर मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया था। इसी घटना को आधार बनाकर पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने वीडियो संदेश जारी किया। उसने मुख्यमंत्री को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की धमकी देते हुए कहा कि एक उच्च पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा महिला के साथ ऐसा व्यवहार करना निंदनीय है। गैंगस्टर ने अपने संदेश में चेतावनी दी थी कि यदि मुख्यमंत्री ने माफी नहीं मांगी, तो इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। फिलहाल पुलिस इस अंतरराष्ट्रीय धमकी के पीछे के नेटवर्क को खंगालने में जुटी है।

हसीना बोलीं- यूनुस ने हिंसा की आग में झौंक दिया बांग्लादेश, ऐसे तो नामोनिशान मिट जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से जारी हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के बाद सड़कों पर शांति भले ही लौटती दिख रही हो, लेकिन राजनीतिक गलियारों में कड़वाहट और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चरम पर है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश की वर्तमान अंतरिम सरकार और उसके मुखिया मोहम्मद यूनुस पर सीधा प्रहार किया है। भारत में प्रवास के दौरान दिए गए अपने एक विस्तृत साक्षात्कार में उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि बांग्लादेश में व्याप्त अराजकता और अस्थिरता के लिए पूरी तरह से मोहम्मद यूनुस जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी सरकार को गिराने के लिए जिस कानूनहीनता का सहारा लिया गया था, वह अब यूनुस प्रशासन के तहत कई गुना बढ़ चुकी है।

भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ते राजनयिक तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए शेख हसीना ने कहा कि रिश्तों में आई यह खटास वर्तमान अंतरिम सरकार की नीतियों का परिणाम है। उनके अनुसार, यूनुस प्रशासन लगातार भारत विरोधी बयानबाजी कर रहा है और देश के भीतर धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने चरमपंथी तत्वों को विदेश नीति तय करने की खुली छूट दे दी है, जिससे पड़ोसी देशों के साथ दशकों पुराने भरोसेमंद रिश्तों पर बुरा असर पड़ा है। अवामी लीग की नेता ने हाल ही में एक हिंदू युवक की नृशंस हत्या का उदाहरण देते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा देश की सांप्रदायिक सद्भावना को नष्ट कर रही है।

शेख हसीना ने भारत को बांग्लादेश का सबसे पुराना और विश्वसनीय साझेदार बताते हुए विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच के ऐतिहासिक संबंध किसी भी अस्थायी सरकार के कार्यकाल से कहीं अधिक मजबूत और गहरे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जब बांग्लादेश में पुनः कानून का राज स्थापित होगा, तब दोनों देश एक बार फिर उसी समझदारी और सहयोग की ओर लौटेंगे, जिसे उनकी सरकार ने पिछले 15 वर्षों में सींचा था। अपने विरुद्ध चल रहे कानूनी मुकदमों और ट्रिब्यूनल के फैसलों पर उन्होंने कहा कि ये तमाम कार्रवाइयां न्याय के लिए नहीं, बल्कि उन्हें राजनीतिक रूप से समाप्त करने की एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने शिकायत की कि उन्हें अपना पक्ष रखने या अपनी पसंद का वकील चुनने का उचित अवसर तक नहीं दिया गया।

आगामी चुनावों की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए शेख हसीना ने चेतावनी दी कि अवामी लीग की भागीदारी के बिना होने वाला कोई भी चुनाव लोकतांत्रिक निर्वाचन नहीं, बल्कि केवल एक ताजपोशी बनकर रह जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी को जनता ने नौ बार जनादेश दिया है, उसे प्रतिबंधित करने की कोशिश लाखों नागरिकों को उनके मताधिकार से वंचित करने जैसा है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि मतदाताओं को उनकी पसंदीदा पार्टी को वोट देने का मौका नहीं मिला, तो वे चुनाव प्रक्रिया का बहिष्कार करेंगे, जिससे नई सरकार की नैतिक वैधता समाप्त हो जाएगी।

अंत में, अपने प्रत्यर्पण की मांगों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने इसे दिशाहीन प्रशासन की हताशा बताया। शेख हसीना ने कठिन समय में शरण और सम्मान देने के लिए भारत सरकार और वहां के सभी राजनीतिक दलों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने अपना देश केवल इसलिए छोड़ा ताकि और अधिक निर्दोष लोगों का खून न बहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह न्याय का सामना करने से नहीं डरतीं और उचित समय आने पर वे देश की लोकतांत्रिक बहाली के लिए अपनी भूमिका निभाएंगी।

इंदौर एयरपोर्ट बनेगा वर्ल्ड क्लास : अब एक करोड़ यात्रियों की क्षमता वाले नए टर्मिनल की तैयारी

-सांसद लालवानी की दिल्ली में पैठ लाई रंग; सिंहस्थ-2028 और अगले 25 साल के मेगा प्लान पर मुहर

इंदौर (ईएमएस)। स्वच्छता के बाद अब इंदौर हवाई सेवाओं के मामले में भी देश के शीर्ष शहरों को टक्कर देने की तैयारी में है। सांसद शंकर लालवानी की विशेष पहल पर सोमवार को एयरपोर्ट परिसर में हुई एक हाई-प्रोफाइल बैठक में इंदौर एयरपोर्ट के कायाकल्प का ब्लू-प्रिंट तैयार किया गया। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू के निर्देशों के बाद दिल्ली से विशेष रूप से आए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के आला अधिकारियों ने इंदौर को एक करोड़ यात्री क्षमता वाला हब बनाने के मास्टर प्लान पर चर्चा की। वर्तमान में 40 लाख की क्षमता वाले इस एयरपोर्ट को दो चरणों में विस्तार देकर ढाई करोड़ यात्रियों के योग्य बनाया जाएगा, जिसके लिए 89 एकड़ अतिरिक्त जमीन की जरूरत होगी। सांसद लालवानी ने बैठक में दो-टूक शब्दों में कहा कि एयरपोर्ट का विस्तार केवल वर्तमान नहीं, बल्कि अगले 25 साल की जरूरतों को देखकर होना चाहिए। यात्रियों को पीक आवर्स में होने वाली परेशानियों को देखते हुए मल्टी लेवल कार पार्किंग और सुरक्षा जांच के लिए नए प्रवेश द्वारों को तत्काल प्रभाव से सुव्यवस्थित करने पर सहमति बनी। सांसद ने कुछ कार्यों की कछुआ गति पर नाराजगी भी जताई और रनवे कारपेटिंग व एटीआर टर्मिनल के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में रनवे को बढ़ाकर 3500 मीटर करने और पैरेलल टैक्सीवे जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर तकनीकी चर्चा हुई। कलेक्टर शिवम वर्मा और एएआई के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में तय हुआ कि सिंहस्थ-2028 के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए एयरपोर्ट पर विशेष प्रबंध किए जाएंगे। वीआईपी मूवमेंट के कारण आम यात्रियों को होने वाली असुविधा को खत्म करने के लिए वीआईपी हेतु अलग टर्मिनल बनाने के विकल्प पर भी विचार किया

गया। सलाहकार समिति के सदस्यों ने सूरत, कोच्चि और अमृतसर जैसे शहरों के लिए नई उड़ानों और बेहतर इंटरनेशनल कनेक्टिविटी के साथ वर्ल्ड क्लास लाउंज की मांग रखी। दिल्ली से आए अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि इंदौर अब नागरिक उड्डयन मंत्रालय की प्राथमिकताओं में शीर्ष पर है और सभी प्रोजेक्ट्स को समय-सीमा में पूरा किया जाएगा।

श्री एल.जी. हरिया मल्टीपर्पस स्कूल का 39वां वार्षिक फेस्टिवल का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 दिसंबर। श्री एल.जी. हरिया मल्टीपर्पस स्कूल का 39वां सालाना फेस्टिवल हाल ही में 20 दिसंबर 2025 को स्कूल ग्राउंड में बड़े पैमाने पर मनाया गया। इवेंट की थीम थी ''टाइमलेस टेल्स''। सालाना फेस्टिवल के चीफ गेस्ट हेमेंद्र के. शाह थे, जो स्पेक्ट्रो कोटिंग क्रॉप, लियोमिनस्टर-USA के प्रेसिडेंट हैं और गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. मृदुल पटेल कंसल्टेंट ऑन्कोसर्जन थे। वह श्री एल.जी. हरिया स्कूल के पुराने स्टूडेंट हैं। श्री कौशिक हरिया एजुकेशनल फाउंडेशन के चेयरमैन ए. के. शाह, मैनेजिंग ट्रस्टी बिमल हरिया, ट्रस्टी और स्कूल मैनेजिंग कमेटी और दूसरे गेस्ट मौजूद थे। प्रोग्राम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और वेलकम डांस से हुई। स्कूल के छोटे बच्चों ने समुद्र का जीवन दिखाया, पहली क्लास के स्टूडेंट्स ने प्रहलाद की सच्ची भक्ति दिखाई, सातवीं क्लास के स्टूडेंट्स ने राजा अशोक की झलक दिखाई, स्कूल के स्टूडेंट्स ने म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स के साथ सूफी गानों की मिक्सचर पेश की, छठी क्लास के स्टूडेंट्स ने राम भक्त हनुमान चालीसा पर डांस किया, दूसरी क्लास के स्टूडेंट्स ने सफलता के लिए अल्टीमेटम छोड़ने का मैसेज दिया, तीसरी क्लास के स्टूडेंट्स ने एकलव्य का जीवन दिखाया, चौथी क्लास के स्टूडेंट्स ने ऑपरेशन सिंदूर दिखाया, नौवीं क्लास के स्टूडेंट्स ने समुद्रमंथन का काम दिखाया, पांचवीं क्लास के स्टूडेंट्स ने दिखाया कि हम सोशल मीडिया का इस्तेमाल कैसे असरदार बना सकते हैं, आठवीं क्लास के स्टूडेंट्स ने चंद्रगुप्त मौर्य के जीवन पर रोशनी डाली और ग्यारहवीं क्लास के स्टूडेंट्स ने चारों युगों की झलक दिखाई। हमारे स्कूल के स्टूडेंट्स ने इंटर-स्कूल कॉम्पिटिशन में करीब 150 इनाम जीते। पूरे प्रोग्राम में मेहमानों, पेरेंट्स और स्टूडेंट्स का सहयोग देखने को मिला। स्कूल के मैदान में लगभग 4000 लोग इकट्ठा हुए और सभी ने शांतिपूर्वक बैठकर यह प्रोग्राम का आनंद लिया।

केवल जागरूक और सतर्क उपभोक्ता ही सुरक्षित

(राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस विशेष - 24 दिसंबर 2025)

लेखक - डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल / व्हॉट्सप क्र.082374 17041
prit00786@gmail.com

आज के डिजिटल युग में आर्थिक व्यवहार या खरीदारी तो आसान हो गयी, लेकिन उसी मात्रा में धोखाधड़ी, बनावट उत्पाद, मिलावटखोरी और साइबर अपराध भी हद से ज्यादा बढ़ गए। दूसरों पर अंधा भरोसा, दिखावा, भ्रामक विज्ञापन, झूठे वादे पर विश्वास न करके अपने विवेकबुद्धि का इस्तेमाल करें, निति-नियम, कानून का पालन करें, तभी हम जागरूक उपभोक्ता बन पायेंगे। उपभोक्ता पैसे के बदले में किसी वस्तु या सेवा का लाभ प्राप्त करता है, तो उसे कीमत तुल्य सही उत्पाद मिलना चाहिए। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के अंतर्गत उत्पाद के बारे में महत्वपूर्ण अधिकार मुख्य रूप से सुरक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार, चयन का अधिकार, सुनवाई का अधिकार, शिकायतों के निपटारे का अधिकार और ग्राहक जागरूकता का अधिकार यह छह हैं। इसको विस्तार से जानते है, इसमें जान और संपत्ति के लिए खतरनाक उत्पाद और सेवाओं की मार्केटिंग से सुरक्षा। गलत व्यापार के तरीकों से बचाने के लिए सामान, उत्पाद या सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता, शुद्धता, मानक, कीमत के बारे में सूचना पाने का अधिकार। प्रतियोगितात्मक कीमतों पर अलग-अलग तरह के सामान, उत्पाद और सेवाओं तक पहुंच का अधिकार। सही फोरम में उपभोक्ता के हितों पर योग्यतानुसार विचार किए जाने का अधिकार। गलत व्यापार के तरीकों या ग्राहकों के शोषण के खिलाफ शिकायत करने का अधिकार। एक जानकार उपभोक्ता बनने के लिए जरूरी ज्ञान और कौशल हासिल करने का अधिकार। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 इसके साथ कई खास नियम और कानून भी हैं, जैसे उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 और केंद्रीय व राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोगों को नियंत्रित करने वाले अधिनियम। ये अलग-अलग अधिनियम मिलकर उपभोक्ता को गलत तरीकों, उत्पाद और सेवा में खराबी से सुरक्षा का काम करती हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण एक कानूनी संस्था है, जिसे एक्ट के तहत उपभोक्ता अधिकारों को एक क्लास के तौर पर बढ़ावा देने, उनकी सुरक्षा करने और उन्हें लागू करने के लिए बनाया गया हैं। उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग विवाद सुलझाने के लिए तीन स्तरीय संरचना प्रदान करता है, जिला स्तरीय - 50 लाख रुपये तक, राज्य - 50 लाख से 2 करोड़ रुपये तक और राष्ट्रीय आयोग - 2 करोड़ रुपये से अधिक का विवाद।

उत्पाद दायित्व अधिनियम यह उत्पाद की अवधारणा लाता है, जो निर्माता, सेवा प्रदाता और विक्रेता को उनके खराब उत्पाद या खराब सेवा से होने वाले नुकसान के लिए जिम्मेदार बनाता हैं। उपभोक्ता संरक्षण (प्रत्यक्ष विक्रय) अधिनियम, 2021 ये अधिनियम धोखाधड़ी योजनाओं को रोकने के लिए प्रत्यक्ष विक्रय उद्योग को नियंत्रित करते हैं। उपभोक्ता संरक्षण (मध्यस्थता) विनियम, 2020 उपभोक्ता मध्यस्थता सेल बनाता है और मध्यस्थता के लिए प्रक्रिया बताता हैं। उपभोक्ता संरक्षण (उपभोक्ता आयोग प्रक्रिया) विनियम, 2020 उपभोक्ता आयोग के लिए प्रक्रिया का विवरण देता हैं। उपभोक्ता संरक्षण (सामान्य) अधिनियम, 2020 उपभोक्ता संरक्षण के लिए सामान्य प्रावधान देता हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (विशेषज्ञों और पेशेवरों की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2021 केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के लिए विशेषज्ञों को शामिल करने के लिए प्रक्रिया बताता हैं। खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 खाद्य गुणवत्ता और सुरक्षा को नियंत्रित करता हैं। कृषि उपज (ग्रेडिंग और अंकन) अधिनियम, 1937 खेती के उत्पाद की श्रेणी को मानकीकृत करता हैं। भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 सर्टिफिकेशन गुणों के जरिए उत्पाद की गुणवत्ता को पक्का करता हैं। भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 अनुबंध को नियंत्रित करता है, जो एग्रीमेंट में उपभोक्ता के अधिकारों पर असर डाल सकते हैं। माल बिक्री अधिनियम, 1930 सामान की बिक्री को नियंत्रित करता हैं। देश में उपभोक्ता धोखाधड़ी के आम प्रकार जैसे - किसी व्यक्ति की निजी जानकारी उदाहरण, बैंक अकाउंट या पैन विवरण का धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल करना। स्कैमर ईमेल, एसएमएस या फोन कॉल के ज़रिए बैंक या दूसरी भरोसेमंद संस्थाओं की नकल करके लोगों से ओटीपी, पासवर्ड या कार्ड विवरण जैसी सेंसिटिव जानकारी निकलवा लेते हैं। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस और क्रेडिट कार्ड पर बिना इजाज़त के लेन-देन बहुत आम हैं। निवेश घोटाला जो असली मुनाफे के बजाय नए निवेशक के पैसे का इस्तेमाल करके ज़्यादा प्रतिफल का वादा करते है, इसमें ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस और ऑनलाइन रिटेलर साइट्स पर होने वाले स्कैम शामिल हैं। स्कैमर किसी असली बिज़नेस का दिखावा करके फ़ोन पर आपके पैसे या निजी जानकारी ले लेते हैं। भारत में साइबर हमलों की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज की गई साइबर सिक्योरिटी घटनाओं की संख्या 2022 में 10.29 लाख से बढ़कर 2024 में 22.68 लाख हो गई है, जो 120 प्रतिशत से ज़्यादा की बढ़ोतरी हैं। देश में डिजिटल अरेस्ट के मामलों में भी काफी उछाल आया है, जिसमें धोखेबाज़ डीपफेक और नकली पहचान जैसे एडवांस तरीकों का इस्तेमाल करके बड़ी रकम ऐंठ रहे हैं, खासकर बुजुर्गों से। इसके जवाब में, सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है, और पूरे भारत में सीबीआई को इन मामलों की जाँच करने का अधिकार दिया है और ऑनलाइन बिचौलियों को जाँच में सहयोग करने का निर्देश दिया हैं। पिछले आठ महीने में महाराष्ट्र राज्य के 218 डिजिटल अरेस्ट केस में बेगुनाह लोग अपने 112 करोड़ रुपये गवां चुके हैं। आर्थिक वर्ष 2022-23 में डुप्लिकेट उत्पाद की कीमत करीब 8 लाख करोड़ रूपये थी, जिसमें से आधे से ज़्यादा हिस्सा वस्त्र एवं परिधान का था, जो 4,03,915 करोड़ रूपये था। भारत में नकल विरोधी पैकेजिंग बाजार 2024 में 5.5 बिलियन रूपये का था, जिसके 2025-2033 के बीच 14.3 बिलियन रूपये तक पहुंचने का अनुमान हैं। इस साल जनवरी से जून तक छह महीने के समय में, ई-कॉमर्स सेक्टर में नकली, फेक और डुप्लीकेट उत्पाद की बिक्री से जुड़ी 7,221 शिकायतें राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर दर्ज की गईं। 2024 के सरकारी डेटा और रिपोर्ट्स के आधार पर अनुमान बताते हैं कि नकली दवाओं से होने वाला आर्थिक नुकसान करीब 7.5 बिलियन रूपये हैं। अनुमान है कि भारत में सप्लाई होने वाली सभी दवाओं में से 12-25 प्रतिशत तक नकली हो सकती हैं। उपभोक्ता धोखाधड़ी होने पर तुरंत सहायता प्राप्त करें या शिकायत दर्ज करें। ऑनलाइन धोखाधड़ी होने पर राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (https://cybercrime.gov.in/) पर रिपोर्ट करें। सामान्य उपभोक्ता अपनी शिकायतों के लिए तुरंत ही राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन वेबसाइट (https://consumerhelpline.gov.in/public/) का इस्तेमाल करें या टोल-फ्री नंबर 1800-11-4000 या 1915 पर कॉल करके संपर्क करें या 8800001915 नंबर पर एसएमएस करें। डिजिटल तरीके से शिकायत दर्ज करने के लिए उपभोक्ता ऐप या नेशनल पोर्टल ऑफ इंडिया का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बैंक धोखाधड़ी होने पर बैंकिंग लोकपाल से शिकायत करें। गंभीर आपराधिक घटना होने पर पास के पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज करें। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत क्लेम की रकम के आधार पर जिला, राज्य या राष्ट्रीय उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज कर सकते हैं। ग्राहकों के हितों के लिए अनेक उपभोक्ता संगठन और स्वयंसेवी संस्थायें भी मार्गदर्शन करती है, कुछ मामलों में, सिविल न्यायालय भी मदद पाने का एक विकल्प हो सकता है। अक्सर, झगड़ों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता जैसे तरीके भी मौजूद होते हैं। उपभोक्ताओं की जिम्मेदारियां और जागरूकता ही धोखाधड़ी से बचा सकते हैं। एक नैतिक उपभोक्ता बनें, निष्पक्ष रहें और गलत नीति का प्रयोग न करें। सामान और सेवा का चयन करते समय उनकी गुणवत्ता और सुरक्षा का ध्यान रखें, उत्पाद या सेवा के बारे में जानकारी इकट्ठा करें और मौजूदा तकनीक में होने वाले बदलावों या नवाचार के बारे में खुद को अद्यावत रखें।

उपभोक्ता स्वयम सोचें, अपनी आवश्यकताओ के अनुसार उत्पाद या सेवा का चुनाव करें। अपनी बात कहें, उत्पाद निर्माता और सरकार को अपनी ज़रूरतें और इच्छाएं दर्शाइए। उत्पाद या सेवा से नाखुशी के बारे में शिकायत करें और दूसरों को भी बताएँ। जागरूक उपभोक्ता बने, सुरक्षित रहें।

UT ADMINISTRATION OF DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU

Land Section Collectorate, Diu

Preliminary Notification as per Section 11 of the RFCTLARR Act, 2013

Purpose: Preliminary Notification for Acquisition of Land for "(Streach 1) Diu Fort to Summer House Junction via Missing Link & Portuguese Street, and (Streach 2) Summer House Junction to Jalandhar Circuit House Public are in the walled City of Diu."

Preliminary Notification No. 65-04-LAQ-2024-25/2221 dated 16.12.2025. **Note: Details can be Downloaded from** https://tinyurl.com/44custts or by scanning the QR code.

Office of the Collector, Diu

NO:IP/DMN/2/5/2025-26/1025 DATE : 22/12/2025

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM MITALI MUNDRA **TO MITALI MANOJ MUNDRA** AS PER DOCUMENT

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM PRATIK / PARMAR PRATIKKUMAR HARILAL **TO PARMAR PRATIKBHAI HARILAL** AS PER DOCUMENT

साइबर ठगों ने वाहन चालान के नाम पर लगाया 2.37 लाख का चूना

मुजफ्फरपुर,(ईएमएस)। साइबर फ्रॉड गिरोह के शातिर बदमाशों ने बसंतपुरपट्टी निवासी सुजीत कुमार के खाते में सेंध लगा दी। साइबर ठगों ने वाहन चालान के नाम एक संदिग्ध एपीके फाइल भेजा। इस पर क्लिक कर मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद शातिरों ने उनके फ्लिपकार्ट अकाउंट और क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर करीब 2.37 लाख की ऑनलाइन शापिंग कर डाली। पीड़ित के अनुसार, उनके मोबाइल पर वाहन चालान कटने का एक संदेश आया था। संदेश के साथ एक लिंक दिया गया था, इस आधिकारिक समझकर जैसे ही उन्होंने क्लिक किया, मोबाइल काम करना बंद कर दिया। मोबाइल हैक करने के बाद शातिरों ने क्रेडिट काड्र्स का विवरण हासिल कर खरीदारी शुरू कर दी। क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 36 हजार 248 और 70 हजार 298 रुपये की दो बार में शॉपिंग की। इसके बाद दूसरे क्रेडिट कार्ड से 30 हजार 386 की शॉपिंग की। तीसरे क्रेडिट कार्ड से 70 हजार 298 की शॉपिंग की गई। ऑर्डर कैंसिल होने के कारण यह राशि वापस आ गई। 2.37 लाख रुपये ठगी के बाद पीड़ित ने साइबर थाने में प्राथमिकी कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रांजैक्शन डिटेल्स के जरिए शातिरों तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM SUNIL MADAN SHARMA & SUNIL SHARMA SUNIL MADAN MOHAN SHARMA ADDRESS: 15/161/F1, G-2, SHIV SHAKTI APT., KHARIWAD, NEAR ICE FACTORY, NANI DAMAN-396210.

विश्व में शांति स्थापित करने हेतु भारतीय संस्कृति का उत्थान आवश्यक है

प्रहलाद सबनानी

भारतीय संस्कृति में जीवन दर्शन के आधार पर जीवन मूल्य एवं जीवन तत्व निर्धारित होते हैं और इसके बाद समाज की जीवन व्यवस्था भी निर्धारित हो जाती है। भारत में समस्त सांस्कृतिक विधियां, प्रथाएं, पद्धतियां एवं परम्पराएं जीवन व्यवस्था के भाग मानी जाती हैं। कुलधर्म, जातिधर्म, समाजधर्म, पंच महायज्ञ, चार आश्रम, चार वर्ण, जाति व्यवस्था, भारतीय शिक्षा पद्धति भी भारतीय संस्कृति में जीवन व्यवस्था का भाग ही माने जाते हैं।

कहा जाता है कि सतयुग में समाज पूर्णतः एकरस था और उस समय के समाज में भारतीय संस्कृति की झलक स्पष्टतः दिखाई देती थी। एक कहानी के माध्यम से इस बात को बहुत आसानी से समझा जा सकता है। सतयुग के खंडकाल में एक किसान ने अपनी जमीन बेची। जिस व्यक्ति ने वह जमीन खरीदी थी, उसे, उस जमीन की खुदाई के दौरान सोने के सिक्कों से भरा हुआ एक घड़ा मिला। उस घड़े को लेकर वह किसान जमीन के विक्रेता के पास पहुंचा और बोला कि आपकी जमीन में से यह सोने के सिक्कों से भरा हुआ घड़ा मिला है, चूंकि मैंने आपसे केवल जमीन खरीदी है अतः इन सोने के सिक्कों पर मेरा अधिकार नहीं है और आप यह घड़ा अपने पास रख लें, सोने के इन सिक्कों पर आपका अधिकार है। जमीन के विक्रेता ने सोने के सिक्कों से भरे उस घड़े को लेने से यह कहकर साफ इनकार कर दिया कि मैंने तो वह जमीन आपको बेच दी है, अतः बाद में उस जमीन से जो भी वस्तु आप प्राप्त करते हैं उस पर आपका ही अधिकार हैं। उस वस्तु पर मेरा अधिकार कैसे हो सकता है? जब उस जमीन के क्रेता एवं विक्रेता के बीच कोई समझौता नहीं हो सका तो वे सोने के सिक्कों से भरे उस घड़े को लेकर अपने राज्य के राजा के पास पहुंचे और दोनों ने राजा को पूरी बात बताई तथा राजा से आग्रह किया कि सोने के सिक्कों को राजा साहब राज्य के खजाने में जमा करा दें। राजा ने भी सोने के सिक्कों से भरे उस घड़े को राज्य के खजाने में जमा करने से यह कहकर इंकार कर दिया कि राज्य के नियमों में इस प्रकार का कोई प्रावधान नहीं है कि बगैर किसी उचित कारण के प्राप्त धन को राज्य के खजाने में जमा कर दिया जाय। इस सम्बंध में जो नियम निर्धारित हैं उन नियमों के आधार पर यह सोने के सिक्के राज्य के खजाने में जमा नहीं किये जा सकते हैं। ऐसा था, सतयुग का खंडकाल। जो वस्तु हमारी नहीं है उस वस्तु को हम कैसे अपने पास रख सकते हैं? प्रत्येक नागरिक इस भावना के साथ समाज में एकरस भाव से रहता था।

सतयुग के बाद आया त्रेतायुग, इस युग में समाज में समरसता के भाव में कुछ कमी दिखाई दी थी। जैसे एक समाज (दानव) के राजा रावण ने दूसरे समाज (देव) की माता सीता का अपहरण किया और अपने राज्य में कैद कर लिया। प्रभु श्रीराम ने आदिवासियों और वानरों के समूह को एक कर, इन सभी में समरसता का भाव जागृत करते हुए, रावण के राज्य पर आक्रमण किया एवं माता सीता को उस राज्य के चंगुल से छुड़ाकर सकुशल अयोध्या लाने में सफल हुए। प्रभु श्रीराम ने त्रेतायुग में यह संदेश दिया कि सर्व समाज यदि संगठित रहता है तो किसी भी बुराई से पार पाया जा सकता है। अतः त्रेतायुग में संगठन की महत्ता सिद्ध हुई थी।

त्रेतायुग के बाद द्वापर युग आया, इस खंडकाल में तो समाज क्या, बल्कि दो परिवारों के बीच की एकता भी समाप्त हो चुकी थी। कौरव परिवार ने अपने ही पांडव भाईयों को केवल 5 गांव देने से साफ इंकार कर दिया। जिसके कारण आगे चलकर कौरव एवं पांडवों की बीच महाभारत युद्ध हुआ। आज के खंडकाल कलयुग की तो बात ही निराली है। आज पश्चिमी जगत में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने सुख के लिए ही कार्य करता हुआ दिखाई देता है। परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति जैसे उसकी कोई जिम्मेदारी ही नहीं है। आज कलयुग में नागरिक अपने आप में केंद्रित हो गए हैं एवं उन्हें परिवार, समाज, राष्ट्र आदि के प्रति किसी जिम्मेदारी का भाव जागृत ही नहीं होता।

भारतीय संस्कृति में सामाजिक समरसता को अति महत्व दिया गया है। अतः स्वयं के साथ, परिवार, समाज, नगर, राष्ट्र एवं पूरे विश्व को समता के भाव के साथ देखा जाता है। पूरी सृष्टि ही हमारा परिवार है, इस भावना को ह्लवसुधैव कुटुंबकमह्न; ह्लसर्वे भवंतु सुखिनःह्न; ह्लसर्वजन हिताय सर्वजन सुखायह्न के माध्यम से झलकाया जाता है। पूरे विश्व में आज अशांति का माहौल है, कई देश आपस में लड़ रहे हैं तथा कई देशों के अंदर विभिन्न मत पंथों को मानने वाले नागरिक आपस में मार काट मचाए हुए हैं। ऐसे गम्भीर समय में केवल और केवल भारतीय संस्कृति ही इस पूरे विश्व में शांति का माहौल पुनः स्थापित कर सकती है।

विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी में सेवा कार्य में संलग्न आदरणीय दीदी निवेदिता रघुनाथ भिड़े ने ह्लभारतीय संस्कृति - चुनौतियां एवं सम्भावनाएंह्न नामक पुस्तक में भारतीय संस्कृति के बारे में जीवन दर्शन की व्याख्या करते हुए बताया है कि ह्लजिस ज्ञान के द्वारा साधक विभक्त प्राणियों में विभाग रहित एक अविनाशी भाव को देखता है, उस ज्ञान को सात्विक ज्ञान कहा गया है। भारतीय संस्कृति का जीवन दर्शन या जीवन दृष्टि सात्विक ज्ञान से निर्धारित हुई है। ईश्वर, मानव, सृष्टि अलग अलग नहीं है। अतः भारतीय संस्कृति का जीवन दर्शन एकात्म है।ह्न इसके विपरीत, जिस ज्ञान के द्वारा मनुष्य सम्पूर्ण प्राणियों में अलग अलग अनेक भावों को अलग अलग रूप से जानता है, इस ज्ञान को राजस ज्ञान कहा गया है। क्रिशिचियन एवं इस्लाम पंथ इसी ज्ञान से प्रेरित है। साथ ही, जिस ज्ञान के द्वारा मनुष्य एक कार्य (शरीर) में ही आसक्त हो जाता है, मानों वह (कार्य ही) सब कुछ हो तथा जो (ज्ञान) हेतुरहित (आयुक्तिक), तत्तवार्थ से रहित तथा संकुचित (अल्प) है, वह (ज्ञान) तामस है। पूंजीवाद, कम्युनिजम, नक्सलवाद, साम्यवाद, मार्कस्वाद और माओवाद का जीवन दर्शन तामसिक ज्ञान से प्रेरित है। उक्तवर्णित पुस्तक में यह भी बताया गया गई कि उक्त जीवन दर्शन के आधार पर ही राष्ट्र में जीवन मूल्य एवं जीवन तत्व निर्मित होते हैं, जिनका अनुपालन उस राष्ट्र के नागरिक करते हैं। भारतीय संस्कृति के कुल 12 जीवन मूल्य बताए गए हैं - (1) सभी के प्रति आदर एवं सम्मान का भाव रखना; (2) प्रत्येक जीव को ईश्वर का रूप माना जाना; (3) इष्टदेव अर्थात ईश्वर अपने अंतःकरण में खोज का विषय है, अतः ईश्वर को बाहर खोजने के स्थान पर अपने अंदर खोजा जाना; (4) विविधता में एकता मानी गई है, जिसके चलते ही सर्व समाज एकरस रहने का प्रयास करता है; (5) चतुर्विध पुरुषार्थ - धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष, अर्थात काम एवं अर्थ सम्बंधी गतिविधियों को धर्म के आधार पर सम्पन्न किया जाता है एवं अंत में मोक्ष प्राप्ति की अपेक्षा की जाती है: (6) महिलाओं का सम्मान - भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति को देवी का दर्जा दिया जाता है; (7) उदार एवं समावेशक - शक, हूण, कुषाण, पारसी, यहूदी आदि अन्य देशों से भारत में आए एवं भारत के ही होकर रह गए, भारतीय संस्कृति के संस्कारों को उन्होंने अपने आप में आत्मसात कर लिया। यह केवल भारत में ही सम्भव है; (8) कर्म सिद्धांत - इस मानव जन्म में किए गए कर्मों के आधार पर ही मोक्ष की प्राप्ति अथवा 84 लाख योनियों के चक्र में फिर से फंसने की सम्भावना के बारे में निर्णय होता है; (9) अवतार की संकल्पना - इस धरा पर जब जब पापों का घड़ा भर जाता है तब तब ईश्वर इस धरा पर अवतार लेकर अवतरित होते हैं; (10) आध्यात्म विश्वास में नहीं, अनुभूति में और होने में है; (11) यज्ञ का महत्व - समाज की सेवा के माध्यम से भी यज्ञ सम्पन्न किया जा सकता है, अन्य कई प्रकार के यज्ञों का वर्णन भी भारतीय संस्कृति में मिलता है; (12) आत्म संयम - अपना जीवन संयम के साथ जीने की कला भारतीय संस्कृति के जीवन मूल्यों में शामिल है, इसके अंतर्गत किसी अन्य प्राणी का अहित करने के बारे में तो कभी सोचा भी नहीं जाता है।

भारतीय संस्कृति में जीवन दर्शन के आधार पर जीवन मूल्य एवं जीवन तत्व निर्धारित होते हैं और इसके बाद समाज की जीवन व्यवस्था भी निर्धारित हो जाती है। भारत में समस्त सांस्कृतिक विधियां, प्रथाएं, पद्धतियां एवं परम्पराएं जीवन व्यवस्था के भाग मानी जाती हैं। कुलधर्म, जातिधर्म, समाजधर्म, पंच महायज्ञ, चार आश्रम, चार वर्ण, जाति व्यवस्था, भारतीय शिक्षा पद्धति भी भारतीय संस्कृति में जीवन व्यवस्था का भाग ही माने जाते हैं। मुगल काल एवं ब्रिटिश शासन काल में भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का बहुत प्रयास किया गया था। इस खंडकाल में भारतीय नागरिक अपनी महान परम्पराएं भूल गए थे। इसी खंडकाल में वैश्विक स्तर पर ग्रीक, रोमन, फारसी, मिस्त्र जैसी कई संस्कृतियां विलुप्त हो गईं परंतु भारतीय संस्कृति अभी भी कायम है और मुगल काल एवं ब्रिटिश शासन काल में भारतीय संस्कृति को समाप्त नहीं किया जा सका है। इन्हीं कारणों के चलते अब यह कहा जा रहा है कि समस्त विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति का उत्थान अति आवश्यक है।

संपादकीय

'गैस चैंबर' राजधानी

देश की राजधानी दिल्ली बीते कई सालों से 'गैस चैंबर' बनी है। यह सिलसिला अक्तूबर में शुरू होता है और फरवरी तक जारी रहता है। 'गैस चैंबर' की टिप्पणी सर्वोच्च अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की है। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने बीते दिनों अपनी पीड़ा व्यक्त की थी कि अब दिल्ली में सुबह की सैर करना भी दूभर हो गया है। सांस घुटने लगता है। राजधानी में इतना प्रदूषण है कि जो परिवार 35-40 साल से दिल्ली में बसे थे, दिल्ली में ही कामकाज था, वे या तो दिल्ली छोड़ चुके हैं अथवा छोड़ कर गांव लौटने की तैयारी में हैं। दरअसल स्वच्छ और सेहतमंद हवा कोई 'विलासिता' नहीं है, बल्कि नागरिकों का अधिकार है। नागरिकों पर बलात अत्याचार ढाया जा रहा है। शनिवार को राजधानी दिल्ली के 12 इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 से अधिक था। कहीं-कहीं 450 को भी लांघ गया था। दिल्ली-एनसीआर के नोएडा इलाके में भी एक्यूआई 409 था। नोएडा में तो नाले सूख गए हैं, जिनमें से एक दुर्गंधमयी गैस निकलती है, जो प्रदूषण की बुनियादी कारक है। राजधानी में प्रदूषण की यह जानलेवा स्तर की 'खतरनाक स्थिति' है। बेशक यह 'स्वास्थ्य का आपातकाल' है। स्कूलों में छोटे बच्चों के लिए छुट्टी घोषित की गई है। मंत्री आशीष सूद के मुताबिक, 10000 स्कूलों में एयर प्यूरीफायर लगाए जाएंगे। क्या उनसे प्रदूषण नियंत्रित होगा? 50 फीसदी कर्मचारियों को 'वर्क फ्रॉम होम' के आदेश दिए गए हैं। ऐसे कब तक प्रदूषण से बचेंगे? इस साल के अंत तक बिजली वाली 7000 बसें खरीदी जाएंगी। दिल्ली सरकार के दूसरे मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने चेतावनी जारी की है कि कल से (रविवार से ही) मौसम ज्यादा खराब होगा। इस मंत्री ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि निर्माण-कार्य नहीं रोके गए, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राजधानी दिल्ली ऐसा महानगर है, जो हररोज, हर पल धूल में सना दिखाई देता है। वायु प्रदूषण का यह सबसे खतरनाक स्रोत है। दिल्ली-एनसीआर में 3.3 करोड़ से अधिक वाहन पंजीकृत हैं। अकेली दिल्ली में ही 2.88 करोड़ कारें और दोपहिया वाहन हैं। मानकों के मुताबिक, करीब 51 फीसदी प्रदूषण वाहनों के कारण ही होता है।

चिंतन-मनन

अपने अंदर रहना ही ध्यान

जब हम दुखी होते हैं तो लगता है समय बहुत लम्बा है। जब प्रसन्न होते हैं तो समय का अनुभव नहीं होता है। तो प्रसन्नता या आनन्द क्या है? यह हमारी स्वयं की आत्मा है। यही आत्मतत्व शिव तत्व है या शिव का सिद्धांत है। प्रायः हम जब भगवान की बात करते हैं तो प्रत्येक व्यक्ति तुरन्त ऊपर की ओर देखता है। पर ऊपर कुछ नहीं है। प्रत्येक वस्तु हमारे अन्दर है। अन्दर की तरफ देखना या अपने अन्दर रहना ही ध्यान है। जब तुम अपने किसी नजदीकी व्यक्ति, अपने मित्र या किसी अन्य की तरफ देखते हो तो तुम्हें क्या लगता है? तुम्हारे अन्दर कुछ-कुछ होता है। तुम्हें ऐसा अनुभव होता है कि कोई नई ऊर्जा तुम्हारे अन्दर से होकर प्रवाहित हो रही है। उन महान क्षणों को पकड़ो। यह वही महान क्षण हैं, जो समयशून्य क्षण होते हैं। ईश्वर ने तुमको दुनिया में सभी छोटे-मोटे सुख व आनन्द दिया है, लेकिन चरम आनन्द अपने पास रखा है। उस चरम आनन्द को प्राप्त करने के लिए तुम्हें उस ईश्वर और केवल ईश्वर के पास ही जाना होगा। अपने प्रयासों में निष्ठा रखो। जब तुम इस चरम आनन्द को प्राप्त करते हो तो बाकी प्रत्येक वस्तुएं आनन्दमय हो जाती हैं। ईश्वर को अच्छा समय दो, इससे तुम पुरस्कृत होगे। यदि तुम्हारी प्रार्थना स्वीकार नहीं होती तो इसका मतलब है कि तुमने ईश्वर को अच्छा समय नहीं दिया है। सत्संग और ध्यान को अपनी सबसे ऊंची प्राथमिकता दो। भगवान को सबसे महत्त्वपूर्ण समय दो। इसका तुम्हें अवश्य ही अच्छा पुरस्कार मिलेगा। जब तुम भगवान से कोई वरदान प्राप्त करने की शीघ्रता में नहीं हो तब तुम्हें यह अनुभव होगा कि भगवान तुम्हारा है। सजगता या अभ्यास द्वारा तुम इसी बिन्दु पर पहुंच सकते हो। ईश्वर या दैव तुम्हारा है। जब तुम यह जान जाते हो कि तुम पूरे ईश्वरीय सत्ता के ही एक अंश हो, तो तुम उससे कोई मांग करना बन्द कर देते हो। तब तुम जानते हो कि तुम्हारे लिए सब कुछ किया जा रहा है। तुम्हारी देखभाल की जा रही है। मन में शीघ्रता या उतावलापन करना धैर्य की कमी होती है। आलस्य का मतलब आपके क्रिया-कलापों में सुस्ती होती है। इसका सही सूत्र मन में धैर्य और अपने क्रियाकलापों में तेजी होती है।

चौधरी चरण सिंहः ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सूत्रधार और कृषक क्रांति के शिल्पकार

दिलीप कुमार पाठक

हम सब धरती पुत्र ही हैं, परंतु धरती के सबसे प्रिय पुत्र किसान ही होते हैं ' कृषि किसी भी देश की रीढ़ होती है, और उस रीढ़ के रक्षक किसान होते हैं, महापुरुषों ने किसानों को सभ्यता की नींव, देश की रीढ़ और आशावादी बताया है; महात्मा गांधी के अनुसार, उद्धार किसानों से ही संभव है, जबकि थॉमस जेफरसन ने कृषि को सबसे बुद्धिमान कार्य कहा, और जॉन एफ. केनेडी ने किसान को अर्थव्यवस्था का सबसे प्रमुख कारक बताया जो हर चीज थोक में बेचकर और खुदरा में खरीदकर भाड़ा भी भरता है; इनके अलावा कई अन्य विचारकों ने भी किसानों के धैर्य, मेहनत और महत्व को सराहा है, बुकर टी. वॉशिंगटन ने कहा कि खेत जोतना कविता लिखने जितना ही सम्मानजनक है।

कृषि प्रधान देश में जहां देश के किसानो को आंदोलन के जरिए अपनी बात कहने के लिए दिल्ली जाने से रोक दिया जाता है, उसी देश में एक ऐसे महान नेता हुए जिन्हें किसानो का मसीहा कहा गया, देश के प्रधानमंत्री बने परंतु प्रमुख पहिचान उनकी एक किसान के रूप में ही होती है, जिनको दुनिया भारतरत्न चौधरी चरण सिंह के नाम से जानती है ' किसान दिवस भारत के पूर्व पीएम किसानों के मसीहा भारतरत्न चौधरी चरण सिंह की जयंती 23 दिसंबर को मनाया जाता है। चरण सिंह किसानों के सर्वमान्य नेता थे। उन्होंने भूमि सुधारों पर काफी काम किया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में और केन्द्र में वित्तमंत्री के रूप में उन्होंने गांवों और किसानों को प्राथमिकता में रखकर बजट बनाया था। उनका मानना था कि खेती के केन्द्र में है किसान, इसलिए उसके साथ कृतज्ञता से पेश आना चाहिए और उसके श्रम का प्रतिफल अवश्य मिलना चाहिए।

किसान हर देश की प्रगति में विशेष सहायक होते हैं। एक किसान ही है जिसके बल पर देश अपने खाद्यान्नों की खुशहाली को समृद्ध कर सकता है। देश में राष्ट्रपिता गांधी जी ने भी किसानों को ही देश का सरताज माना था। लेकिन देश की आजादी के बाद ऐसे नेता कम ही देखने में आए जिन्होंने किसानों के विकास के लिए निष्पक्ष रूप में काम किया। ऐसे नेताओं में सबसे अग्रणी थे, देश के पूर्व पीएम भारतरत्न चौधरी चरण सिंह। चरण सिंह को किसानों के अभूतपूर्व विकास के लिए याद किया जाता है। चौधरी चरण सिंह की नीति किसानों व गरीबों को ऊपर उठाने की थी। उन्होंने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की कि बगैर किसानों को खुशहाल किए देश व प्रदेश का विकास नहीं हो सकता। चरण सिंह ने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वह गंभीर थे। उनका कहना था कि भारत का संपूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। किसानों के मसीहा चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर, 1902 को उत्तर प्रदेश के मेरठ ज़िले में हुआ था। चौधरी चरण सिंह के पिता चौधरी मीर सिंह ने अपने नैतिक मूल्यों को विरासत में चरण सिंह को सौंपा था। चौधरी साहब ने किसानों, पिछड़ों और गरीबों की राजनीति की। उन्होंने खेती और गाँव को महत्व दिया। वह ग्रामीण समस्याओं को गहराई से समझते थे और अपने मुख्यमंत्रित्व तथा केन्द्र सरकार के वित्तमंत्री के कार्यकाल में उन्होंने बजट का बड़ा भाग किसानों तथा गांवों के पक्ष में रखा था। वे जातिवाद को गुलामी की जड़ मानते थे और कहते थे कि जाति प्रथा के रहते बराबरी, संपन्नता और राष्ट्र की सुरक्षा नहीं हो सकती है।

आजादी के बाद चरण सिंह पूर्णतः किसानों के लिए लड़ने लगे, चरण सिंह की मेहनत के कारण ही 'जमींदारी उन्मूलन विधेयक' साल 1952 में पारित हो सका। इस एक विधेयक ने सदियों से खेतों में खून पसीना बहाने वाले किसानों को जीने का मौका दिया। जोत अधिनियम1960 जमीन की अधिकतम सीमा तय कर उसे एक समान बनाने के लिए यह कानून लाए। विकेन्द्रीकृत अर्थव्यवस्था और ग्रामीण विकास के प्रबल समर्थक थे। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन में योगदान दिया। मंत्रियों के वेतन और भत्तों में कटौती जैसे जनहितकारी कदम उठाए। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जब वे उप प्रधानमंत्री थे। जमींदारी उन्मूलन, भारत की गरीबी और उसका समाधान, किसानों की भूसंपत्ति जैसी कई किताबें और पुस्तिकाएं लिखीं, जो उनके विचारों को दशार्ती हैं ' दृढ़ इच्छा शक्ति के धनी चरण सिंह ने प्रदेश के 27000 पटवारियों के त्यागपत्र को स्वीकार कर 'लेखपाल' पद का सृजन कर नई भर्ती करके किसानों को पटवारी आतंक से मुक्ति तो दिलाई ही, प्रशासनिक धाक भी जमाई। लेखपाल भर्ती में 18 प्रतिशत स्थान हरिजनों के लिए चौधरी चरण सिंह ने आरक्षित किया था। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना मसीहा मानने लगे थे। उन्होंने समस्त उत्तर प्रदेश में भ्रमण करते हुए कृषकों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में कृषि मुख्य व्यवसाय था। कृषकों में सम्मान होने के कारण इन्हें किसी भी चुनाव में हार का मुख नहीं देखना पड़ा ' भारतरत्न चौधरी चरण सिंह जैसे नेता सदियों में जन्म लेते हैं '

सड़कें, सुरक्षा और सिस्टम में बदलाव के साथ ही विकास की रफ्तार में जान बचाने की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

भारत में सड़कें विकास की धमनियां मानी जाती हैं, लेकिन यही सड़कें हर साल लाखों परिवारों के लिए दर्द और मातम की वजह भी बन रही हैं। देश में हर वर्ष करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें लगभग 1.8 लाख लोगों की जान चली जाती है। यह आंकड़े सिर्फ संख्या नहीं हैं, बल्कि वे सपने हैं जो अधूरे रह जाते हैं। वे परिवार हैं जो जीवनभर का खालीपन झेलने को मजबूर हो जाते हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इन हादसों में मारे जाने वालों में लगभग 66 प्रतिशत लोग 18 से 34 वर्ष की आयु वर्ग के होते हैं, यानी देश की सबसे युवा, सबसे ऊजार्वान और उत्पादक आबादी। यह स्थिति न केवल सामाजिक चिंता का विषय है, बल्कि आर्थिक और राष्ट्रीय विकास के लिए भी गंभीर चेतावनी है।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इन आंकड़ों को रखते हुए सरकार की चिंता और प्रयासों दोनों को सामने रखा। उन्होंने स्वीकार किया कि सड़क सुरक्षा को लेकर कानून, नियम और सुधारों के बावजूद अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है। मंत्री ने बताया कि दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या में मौतें इसलिए होती हैं क्योंकि घायलों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। एक आईआईएम के अध्ययन का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यदि सड़क हादसे के बाद घायलों को दस मिनट के भीतर चिकित्सा सहायता मिल जाए, तो हर साल करीब पचास हजार लोगों की जान बचाई जा सकती है। यह आंकड़ा बताता है कि समस्या केवल सड़क की गुणवत्ता या वाहनों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि आपातकालीन स्वास्थ्य व्यवस्था, त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली और प्रशासनिक समन्वय की भी है।

देश में सड़क दुर्घटनाओं की भयावहता को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि युवा वर्ग सबसे अधिक प्रभावित क्यों है। तेजी से बढ़ती मोटराइजेशन, जोखिम भरी ड्राइविंग, तेज रफ्तार, शराब या नशे में वाहन चलाना, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनदेखी, और ट्रैफिक नियमों के प्रति लापरवाही इसके प्रमुख कारण हैं। इसके साथ ही, कई जगहों पर सड़क डिजाइन, साइन बोर्ड, लाइटिंग और ब्लैक स्पॉट्स की अनदेखी भी दुर्घटनाओं को न्योता देती है। सरकार ने इन समस्याओं से निपटने के लिए ब्लैक स्पॉट सुधार, सड़क सुरक्षा ऑडिट, जागरूकता अभियान और कड़े कानून लागू किए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका असर अभी भी सीमित दिखाई देता है।

सड़क सुरक्षा के साथ-साथ देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की रफ्तार भी एक बड़ा मुद्दा है। मंत्री ने सदन में बताया कि वर्तमान में स्वीकृत 574 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं तय समय से पीछे चल रही हैं। इन परियोजनाओं की कुल लागत करीब 3.50 लाख करोड़ रुपये है, जो अपने आप में बताती है कि देरी का असर केवल निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि अर्थव्यवस्था, रोजगार और क्षेत्रीय विकास पर भी पड़ता है। इन विलंबित परियोजनाओं में से करीब 300 परियोजनाएं एक साल से कम समय से, 253 परियोजनाएं एक से तीन साल से और 21 परियोजनाएं तीन साल से अधिक समय से लंबित हैं। यह स्थिति यह सवाल खड़ा करती है कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में परियोजनाएं समय पर पूरी क्यों नहीं हो पा रही हैं।

मंत्री ने इसके पीछे कई कारण गिनाए। भूमि अधिग्रहण सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है, जहां कानूनी विवाद, मुआवजे को लेकर असहमति और स्थानीय विरोध परियोजनाओं को रोक देते हैं। इसके अलावा, वन और वन्यजीव मंजूरी जैसी पूर्व-स्वीकृतियों में देरी भी बड़ी समस्या है। करीब 133 परियोजनाएं ऐसी हैं, जिनकी लागत कम है, लेकिन वे अभी तक आवश्यक मंजूरियां नहीं मिलने के कारण शुरू ही नहीं हो सकी हैं। धन की उपलब्धता, ठेकेदारों की क्षमता, पर्यावरणीय संतुलन और राज्यों के साथ समन्वय जैसे मुद्दे भी निर्माण की गति को प्रभावित करते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि जहां एक ओर नई सड़कें बनने में देरी होती है, वहीं दूसरी ओर पुरानी और भीड़भाड़ वाली सड़कों पर दुर्घटनाओं का जोखिम बना रहता है। इन चुनौतियों के बीच सरकार टोल कलेक्शन व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है, जिसे सड़क यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। नितिन गडकरी ने बताया कि 2026 के अंत तक देशभर में सैटेलाइट आधारित टोल कलेक्शन सिस्टम लागू कर दिया जाएगा। यह प्रणाली सैटेलाइट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नंबर प्लेट पहचान तकनीक पर आधारित होगी, जिसमें फास्टैग का भी इस्तेमाल किया जाएगा। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि वाहन बिना रुके, करीब 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से टोल प्लाजा पार कर सकेंगे और स्वचालित रूप से टोल कट जाएगा।

वर्तमान में मैनुअल टोल प्रणाली में जहां तीन से दस मिनट तक का समय लग जाता था, वहीं फास्टैग के आने से यह समय घटकर करीब 60 सेकंड हुआ। नई सैटेलाइट आधारित व्यवस्था का लक्ष्य है कि टोल पर रुकने की जरूरत ही न पड़े। इससे न केवल यात्रियों का समय बचेगा, बल्कि ईंधन की भी बड़ी बचत होगी। मंत्री के अनुसार, इस प्रणाली से हर साल करीब 1,500 करोड़ रुपये के ईंधन की बचत होगी, क्योंकि टोल प्लाजा पर रुकने और दोबारा गति पकड़ने में होने वाला ईंधन खर्च कम हो जाएगा। इसके साथ ही सरकार के राजस्व में भी करीब 6,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

हालांकि, तकनीक आधारित इस बदलाव के साथ कुछ सवाल और चुनौतियां भी जुड़ी हैं। डेटा सुरक्षा, गोपनीयता, सिस्टम की सटीकता और ग्रामीण तथा दूरदराज इलाकों में इसके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सरकार को विशेष ध्यान देना होगा। साथ ही, यह सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि टोल की गणना पारदर्शी हो और आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े। यदि यह प्रणाली सही ढंग से लागू होती है, तो यह न केवल यात्रा को आसान बनाएगी, बल्कि ट्रैफिक जाम और उससे होने वाली दुर्घटनाओं को भी कम करने में मदद कर सकती है।

सड़क सुरक्षा, निर्माण की गति और टोल व्यवस्था,ये तीनों मुद्दे आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। बेहतर सड़कें और सुव्यवस्थित ट्रैफिक सिस्टम जहां यात्रा को तेज और आरामदायक बनाते हैं, वहीं सुरक्षा उपायों की अनदेखी इन्हें जानलेवा भी बना सकती है। सरकार की नीतियां और योजनाएं तभी सफल होंगी, जब उनके साथ सख्त क्रियान्वयन, जन-जागरूकता और जवाबदेही भी जुड़ेगी। सड़क पर चलने वाला हर व्यक्ति चाहे वह पैदल यात्री हो, दोपहिया चालक हो या भारी वाहन का ड्राइवर ,सुरक्षा नियमों का पालन करे, तभी दुर्घटनाओं में वास्तविक कमी लाई जा सकती है।

आज जरूरत इस बात की है कि सड़क हादसों को केवल आंकड़ों की तरह न देखा जाए, बल्कि हर मौत को एक चेतावनी के रूप में लिया जाए। युवा आबादी का इस तरह सड़क दुर्घटनाओं में खत्म होना देश के भविष्य पर सीधा प्रहार है। समय पर इलाज, मजबूत आपातकालीन सेवाएं, सुरक्षित सड़क डिजाइन, जिम्मेदार ड्राइविंग और आधुनिक तकनीक आदि इन सभी के समन्वय से ही भारत की सड़कें विकास की राह पर चलने के साथ-साथ जीवन की रक्षा भी कर सकेंगी। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो विकास की तेज रफ्तार के बीच इंसानी जानों की कीमत चुकानी पड़ती रहेगी, और यही किसी भी सभ्य समाज के लिए सबसे बड़ी विफलता होगी।

संक्षिप्त समाचार

पांच मार्च का चुनाव टला तो सड़क पर उतरेगी एनसीपी, पुष्पकमल दहल बोले- तिथियों का स्थगन स्वीकार नहीं

काठमांडु एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और सबसे बड़े कम्युनिस्ट गठबंधन नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के समन्वयक पुष्पकमल दहल प्रचंड ने शनिवार को चेतावनी दी कि अगर किसी भी बहाने से 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव को स्थगित किया गया तो उनकी पार्टी सड़क पर उतरेगी। प्रचंड ने कहा कि एनसीपी ने गठबंधन के घोषणा के समय से ही समय पर चुनाव कराने का पक्ष लिया है। उन्होंने कहा चुनाव तिथियों को स्थगित करने का कोई प्रयास स्वीकार्य नहीं है। प्रचंड ने यह बात काठमांडू के भृकुटीमंडप क्षेत्र में एनसीपी की एक एकता रैली को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने संविधान के उल्लंघन का खतरा जताते हुए सभी से समय पर चुनाव करवाने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने किसी पार्टी या व्यक्ति का नाम नहीं लिया।

भूकंप के तेज झटकों से कांपा पाकिस्तान, डरे सहमे लोग भागे बाहर

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत एक बार फिर भूकंप के झटकों से कांप उठा है। रविवार (21 दिसंबर 2025) की सुबह खुजदार जिले में आए इस भूकंप ने लोगों के बीच भारी डर पैदा कर दिया। हालांकि रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता केवल 3.3 मापी गई लेकिन इसके झटके बहुत जोरदार महसूस किए गए। भूकंप के झटके लगते ही खुजदार और आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने घरों और इमारतों से निकलकर खुले मैदानों की ओर भागने लगे। बलूचिस्तान पहले भी विनाशकारी भूकंपों का सामना कर चुका है, इसलिए हल्का झटका भी लोगों को पुरानी यादों से डरा देता है। फिलहाल स्थानीय प्रशासन या आपदा प्रबंधन की ओर से किसी बड़े जान-माल के नुकसान की खबर नहीं मिली है। अधिकारी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। बलूचिस्तान भौगोलिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील क्षेत्र है क्योंकि यह भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के सक्रिय जंक्शन पर स्थित है। यहाँ लगातार होने वाली हलचल के कारण छोटे और मध्यम स्तर के भूकंप आते रहते हैं।

असीम मुनीर के प्लान पर खुश हुआ अमेरिका, विदेश मंत्री रुबियो बोले- पाकिस्तान के शुक्रगुजार हैं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा गाजा के लिए पेश की गई 20 सूत्री शांति योजना को लेकर पाकिस्तान की संभावित भूमिका पर अमेरिका ने खुलकर समर्थन जताया है। इस योजना के तहत युद्धग्रस्त फिलिस्तीनी क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की तैनाती का प्रस्ताव है, जिसमें मुस्लिम बहुल देशों से सैनिक भेजे जाने की बात कही गई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अमेरिका पाकिस्तान का आभारी है कि उसने इस अंतरराष्ट्रीय बल का हिस्सा बनने पर विचार करने की इच्छा जताई है। रुबियो के अनुसार, हम उन सभी देशों की सराहना करते हैं जो गाजा में स्थिरता बहाल करने के लिए ज़मीन पर मौजूद रहने को तैयार हैं या इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं ।हालांकि अमेरिका के इस प्लान पर आशंका जताई जा रही है कि जरूर कुछ दाल में काला है जो अमेरिका पाकिस्तान की इतनी तारीफ कर रहा है। पाकिस्तान ने अभी तक गाजा में सैनिक भेजने का अंतिम फैसला नहीं किया है। इस्लामाबाद का कहना है कि वह इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर हुसैन अंद्राबी ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में स्पष्ट किया कि ढ्रस्त्र में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर कोई निर्णय अभी नहीं लिया गया है। मार्को रुबियो ने बताया कि पाकिस्तान समेत अन्य संभावित देशों के साथ बातचीत शुरुआती चरण में है। कई अहम सवालों पर सहमति बनना अभी बाकी है। इस बीच, रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर वॉशिंगटन जाकर राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात कर सकते हैं और गाजा स्टेबिलाइजेशन फोर्स इस चर्चा का अहम मुद्दा होगा। हालांकि, पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने इस दावे को खारिज कर दिया। वहीं, व्हाइट हाउस ने भी साफ किया कि फिलहाल ट्रंप और असीम मुनीर के बीच किसी बैठक का कार्यक्रम राष्ट्रपति के कैलेंडर में नहीं है। गाजा के लिए अंतरराष्ट्रीय सैन्य बल का प्रस्ताव पश्चिम एशिया की राजनीति में एक नया मोड़ माना जा रहा है।

3 भारतीय कबड्डी खिलाड़ियों को 11 साल की सजा, खेल का मैदान बना जंग का अखाड़ा

लंदन , एजेंसी। इंग्लैंड के ईस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में डर्बी में आयोजित एक कबड्डी टूर्नामेंट हिंसक झड़प में बदल गया, जिसके मामले में तीन भारतीय नागरिकों को कुल 11 साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई गई है। यह घटना करीब दो साल पुरानी है, जब टूर्नामेंट के दौरान बड़े पैमाने पर लफड़ा हुआ और हथियार लहराए गए। ब्रिटेन की अदालत ने तीनों को दोषी ठहराते हुए सख्त सजा सुनाई है।

डर्बीशायर पुलिस ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि दमनजीत सिंह (35), बूटा सिंह (35) और राजविंदर तखर सिंह (42) वर्ष 2023 में अल्वास्टन में हुए कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान हुई हिंसक झड़प में शामिल थे। इस झड़प में कई लोग घायल हुए थे। तीनों आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया था, लेकिन पिछले महीने डर्बी क्राउन कोर्ट में चले मुकदमे के बाद उन्हें दोषी करार दिया गया।

गोली चलने और हथियारों के इस्तेमाल की भी सूचना : पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त 2023 को रविवार दोपहर करीब 4 बजे एल्वास्टन लेन के पास गोली चलने और हथियारों से मारपीट की सूचना मिली थी। घटनास्थल से सामने आई वीडियो फुटेज में बूटा सिंह को विरोधी गुट का पीछा करते हुए देखा गया। हालांकि उस समय उसके पास कोई हथियार नहीं दिखा, लेकिन दो दिन बाद जब पुलिस ने उसकी कार रोकी तो बूट से दो माचेटे बरामद किए गए।फुटेज में दमनजीत सिंह और राजविंदर तखर सिंह को भी झड़प के दौरान बड़े चाकुओं के साथ देखा गया। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आरोप तय किए गए।

अलग-अलग अवधि की सजा सुनाई गई : अदालत ने बूटा सिंह को चार साल की जेल की सजा सुनाई है। दमनजीत सिंह को तीन साल और चार महीने, जबकि राजविंदर तखर सिंह को तीन साल और दस महीने की सजा दी गई है। इस तरह तीनों को कुल मिलाकर 11 साल से अधिक की कैद भुगतनी होगी।

दो आरोपी बरी, पहले भी हो चुकी हैं गिरफ्तारियां : इस मामले में हिंसा में कथित भूमिका को लेकर मुकदमे का सामना कर रहे दो अन्य आरोपियों को जूरी ने बरी कर दिया। यह सजा पिछले साल की उस कार्रवाई के बाद आई है, जिसमें इसी हिंसा के सिलसिले में सात अन्य भारतीय मूल के लोगों को जेल भेजा गया था।

पुलिस बोली- झड़प पहले से थी योजनाबद्ध : वरिष्ठ जांच अधिकारी डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर मैट क्रूम ने कहा कि यह घटना और इसके बाद की जांच का स्थानीय लोगों और वहां मौजूद दर्शकों पर गहरा असर पड़ा। उन्होंने उन सभी लोगों का आभार जताया जिन्होंने जांच में सहयोग किया। पुलिस के मुताबिक, जांच में यह भी सामने आया कि यह झड़प पहले से योजनाबद्ध थी और एक समूह घटना से पहले डर्बी के ब्रंसविक स्ट्रीट पर इकट्ठा हुआ था।

कभी भी आकर मिल सकते हैं, बेटों ने इमरान खान को लेकर जताई चिंता तो पाकिस्तान ने दिया रिएक्शन

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने शनिवार को साफ किया कि अगर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे देश आते हैं तो उन्हें अपने जेल में बंद पिता से मिलने पर कोई रोक नहीं है। सरकारी अधिकारी ने यह भी कहा कि अगर दोनों भाई उनसे मिलने आना चाहते हैं, तो उन्हें पाकिस्तानी वीजा दिया जाएगा। यह बयान तब आया जब ऐसी खबरें आईं कि अधिकारियों ने इमरान खान से मिलने पर बिना बताए पाबंदियां लगा दी हैं, यह दावा करते हुए कि कुछ मुलाकाती इन मुलाकातों का इस्तेमाल राजनीतिक एजेंडा बढ़ाने के लिए कर रहे थे।

शहबाज सरकार के मंत्री ने क्या कहा : गृह राज्य मंत्री तलल चौधरी ने पत्रकारों को बताया, सुलेमान खान और कासिम खान पर रावलपिंडी की अदियाला जेल में अपने पिता इमरान खान से मिलने पर कोई रोक नहीं है। चौधरी ने कहा, अगर सुलेमान और कासिम पाकिस्तानी वीजा के लिए अप्लाई करते हैं तो हम उन्हें दे देंगे। हम उन्हें उनके पिता से मिलने से नहीं रोकेंगे; इसलिए, यह प्रोपेगेंडा कि पाकिस्तानी सरकार पिता और बेटों की मुलाकात में रुकावटें डाल रही है, बंद होना चाहिए। उन्होंने उन रिपोर्ट्स को भी खारिज कर दिया कि खान को दिन में 23 घंटे अकेले रखा जा रहा है। इन खबरों के बाद, उनके परिवार के सदस्यों और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने उन हालातों पर चिंता जताई जिनमें उन्हें रखा गया है। सुलेमान और कासिम अभी लंदन में रहते हैं, खान की पहली शादी ब्रिटिश टीवी पर्सनैलिटी जेमिमा गोल्डस्मिथ से हुए बेटे हैं। चौधरी का यह बयान भाइयों के स्काई न्यूज को यह बताने के कुछ दिनों बाद आया है कि उन्हें डर है कि वे अपने जेल में बंद पिता को शायद फिर कभी नहीं देख पाएंगे।

इमरान खान के बेटों ने क्या कहा था : भाइयों ने कहा कि उन्होंने अगस्त 2023 से जेल में बंद पीटीआई के संस्थापक को महीनों से देखा या उनसे बात नहीं की है और उन्होंने उनकी सुरक्षा और सेहत के बारे में चिंता जताई है। अपने इंटरव्यू में इमरान के बेटों ने आरोप लगाया कि उनके पिता को आइसोलेशन में रखा गया है और इन हालातों को साफ तौर पर टॉर्चर की रणनीति बताया।

1971 मुक्ति संग्राम के नायक दूसरे कमांडर खांडकर का निधन, ढाका में ली आखिरी सांस

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की स्थापना के लिए 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मुक्ति वाहिनी के प्रमुख नेता, एयर वाइस मार्शल (सेवानिवृत्त) ए. के. खांडकर का शनिवार को निधन हो गया। वह 95 वर्ष के थे। पांच दशक पहले 16 दिसंबर को जब पाकिस्तानी सैनिकों ने भारत-बांग्लादेश संयुक्त बलों के सामने आत्मसमर्पण किया था तब खांडकर उपस्थित थे। रक्षा मंत्रालय के अंतर-सेवा जनसंपर्क (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, आज (20 दिसंबर) पूर्वाह्न लगभग 10:35 बजे उम्र संबंधी जटिलताओं के कारण खांडकर ने अंतिम सांस ली। उन्होंने 16 दिसंबर, 1971 को ढाका में आयोजित समारोह में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया, जब लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी के नेतृत्व में पाकिस्तानी सैनिकों ने भारत के लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोरा के नेतृत्व वाली भारत-बांग्लादेश संयुक्त सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। वीरता पुरस्कार बीर उत्तम से सम्मानित खांडकर, जनरल एम ए जी उस्मानी के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की मुक्ति युद्ध सेना, मुक्ति वाहिनी के दूसरे शीर्ष कमांडिंग ऑफिसर थे और बाद में देश की वायु शक्ति को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले पहले वायु सेना प्रमुख बने। युद्ध प्रयासों में उनके योगदान को मान्यता देते हुए, बांग्लादेश ने उन्हें 2011 में सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, स्वतंत्रता पुरस्कार से सम्मानित किया। अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने अनुभवी सैनिक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, उन्होंने 1971 के मुक्ति युद्ध के दौरान साहस, दूरदर्शिता और नेतृत्व का प्रदर्शन करके स्वतंत्रता प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खांडकर 1952 में तत्कालीन पाकिस्तानी वायु सेना में शामिल हुए थे और 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ मुक्ति युद्ध में शामिल होने से पहले एक लड़ाकू पायलट और प्रशिक्षक के रूप में सेवा की थी। इसके बाद के वर्षों में, उन्होंने भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त और ऑस्ट्रेलिया में राजदूत के रूप में कार्य किया। खांडकर पूर्वोत्तर में स्थित अपने गृह जिले पाबना से अवामी लीग के टिकट पर दो बार संसद के लिए चुने गए थे।

एपस्टीन से जुड़ी 16 फाइलें वेबसाइट से गायब, सच की परत खुलने से पहले हंगामा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में यौन अपराध के दोषी जेफरी एपस्टीन से जुड़े लंबे समय से बंद पड़े सरकारी दस्तावेजों कम से कम 16 ऐसी फाइलें फाइलें शनिवार तक अमेरिकी न्याय विभाग की वेबसाइट से गायब हो गईं। इसमें एक ऐसी भी फाइल शामिल थी, जिसमें ट्रंप की तस्वीरें थी। दरअसल, अमेरिकी न्याय विभाग ने कांग्रेस द्वारा पारित एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट के तहत हजारों पेज के दस्तावेज और सैकड़ों फोटो जारी किए। इन एपस्टीन की जांच, फ्लाइट लॉग्स, फोटोग्राफ्स और अन्य रिकॉर्ड शामिल हैं।

कौन-कौन था तस्वीरों में : बताया जा रहा है कि गायब हुईं ये फाइलें अमेरिका के न्याय विभाग की सार्वजनिक वेबसाइट पर शुक्रवार को अपलोड की गई थी, जिसे शनिवार तक आम लोगों के एक्सेस से हटा दिया गया। गायब हुई फाइलों में ऐसी तस्वीरें शामिल थी, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप, जेफ्री एपस्टीन और गिस्लेन मैक्सवेल एक साथ नजर आ रहे थे। इसके अलावा गायब हुईं तस्वीरों में नग्न महिलाओं की कलाकृतियों की तस्वीरें और फर्नीचर व दराजों में रखी कई तस्वीरों का एक कोलाज भी शामिल था। हालांकि, अमेरिका के न्याय विभाग ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि इन फाइलों को जानबूझकर हटाया गया है या किसी तकनीकी गलती के वजह से वेबसाइट पर नहीं दिख रही है।

क्या-क्या छुपाया जा रहा है : न्याय विभाग की वेबसाइट से फाइलें गायब होने के बाद से सोशल मीडिया पर अटकलों का दौर तेज हो गया है। अमेरिकी संसद की हाउस ओवरसाइट कमेटी के डेमोक्रेट सदस्यों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर ट्रंप की तस्वीर गायब होने को लेकर सवाल उठाया और पूछा, और क्या-क्या छुपाया जा रहा है? अमेरिकी जनता को पारदर्शिता चाहिए। हाल ही में सामने आई जानकारियों में से एक यह है कि न्याय विभाग ने 2000 के दशक में एपस्टीन के खिलाफ जांच बंद करने का फैसला किया था, जिसके कारण वह राज्य स्तर के उस आरोप में दोषी ठहराए जाने में सक्षम हो गया था, और एक पहले कभी न देखी गई 1996 की शिकायत जिसमें एपस्टीन पर बच्चों की तस्वीरें चुराने का आरोप लगाया गया था। अब तक जारी की गई तस्वीरों में न्यूयॉर्क शहर और अमेरिकी वर्जिन द्वीप समूह में एपस्टीन के घरों की तस्वीरें प्रमुखता से दिखाई गई हैं, साथ ही कुछ तस्वीरें मशहूर हस्तियों और राजनेताओं की भी हैं। पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की पहले कभी न देखी गई तस्वीरों की एक श्रृंखला सामने आई, लेकिन ट्रंप की तस्वीरें बहुत कम थीं।

अमेरिकी सेना की वेनेजुएला पर बड़ी कार्रवाई, समुद्र तट पर नाकाबंदी; एक और तेल टैंकर जब्त

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच जारी तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। ट्रंप लगातार वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बढ़ा रहे हैं। अमेरिकी सैनिक लगातार वेनेजुएला के तट के पास कार्रवाई कर रहे हैं। अमेरिकी सैनिकों ने दो सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार वेनेजुएला के तट के पास एक तेल टैंकर को जब्त किया है। दरअसल, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर ट्रंप के बढ़ते दबाव के बीच शनिवार को अमेरिकी सैनिकों ने एक और टैंकर वेनेजुएला के तट के पास से जब्त किया है।

गृह मंत्री ने की पुष्टि : अमेरिकी की गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस कार्रवाई की पुष्टि की है। उन्होंने एक्स पर किए पोस्ट में लिखा कि संयुक्त राज्य अमेरिका प्रतिबंधित तेल की अवैध आवाजाही का पीछा करना जारी रखेगा जिसका उपयोग इस क्षेत्र में नार्को आतंकवाद को वित्त पोषित करने के लिए किया जाता है। यह कार्रवाई अमेरिकी तटरक्षक बल द्वारा पेंटागन के समर्थन से की गई थी और यह वेनेजुएला के तेल निर्यात को बाधित करने और मादुरो पर पद छोड़ने के लिए दबाव डालने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। अल जजीरा के सूत्रों से नाम न छापने की शर्त पर बात करने वाले तीन अधिकारियों ने ऑपरेशन के स्थान का खुलासा नहीं किया, लेकिन बताया कि तटरक्षक बल इस अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। दो अधिकारियों ने भी इस ऑपरेशन की पुष्टि की। एक अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई सहमत बोर्डिंग थी, जिसमें टैंकर स्वेच्छा से रुका और अमेरिकी सेना को उस पर चढ़ने की अनुमति दी। अल जजीरा के अनुसार, पिछले सप्ताह अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के तट पर एक प्रतिबंधित तेल टैंकर को जब्त किए जाने के बाद से प्रभावी रूप से एक प्रतिबंध लागू है।

उस्मान हादी की मौत के बाद ढाका विश्वविद्यालय ने बंगबंधु हॉल का बदला नाम, गृह मंत्रालय को 24 घंटे का अल्टीमेटम

ढाका, एजेंसी। इंकलाब मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद से बांग्लादेश में भारी बवाल देखने को मिल रहा है। इस बीच ढाका विश्वविद्यालय ने बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान हॉल का नाम बदलकर शहीद शरीफ उस्मान हादी हॉल कर दिया है। दरअसल, इंकलाब मंच के प्रवक्ता और प्रमुख छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी का ढाका में गोली लगने के बाद सिंहापुर में इलाज चल रहा था। इस दौरान 18 दिसंबर 2025 को उसकी मौत हो गई। उसकी मौत के बाद से ही बांग्लादेश में भारी बवाल देखने को मिल रहा है। उस्मान हादी की मौत के बाद शुक्रवार को ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों और हॉल यूनियन के नेताओं ने शेख मुजीबुर रहमान हॉल की पुरानी नेमप्लेट को हटाकर उस पर नया नाम शहीद उस्मान हादी हॉल लिख दिया। बीडी न्यूज के अनुसार, उन्होंने हॉल के गेट पर बैनर भी लगाए। शनिवार को अधिकारियों ने पुराने साइनबोर्ड को हटा दिया, और इमारत से शेख मुजीबुर रहमान का नाम हटाने और दीवारों पर उनके द्वारा लिखे गए भित्तिचित्रों पर पेंट करने के लिए एक क्रेन का इस्तेमाल किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शनिवार देर रात के दौरान उनकी दो भित्तिचित्रों पर भी पेंट कर दिया गया। इस फैसले ने ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच विरोध और बहस छेड़ दी है, जिनमें से कुछ ने फेसबुक समूहों में अपने विचार व्यक्त किए हैं। बंगबंधु, एक सम्मानित उपाधि जिसका अर्थ है बंगाल का मित्र या बंगालियों का मित्र, बांग्लादेश के संस्थापक पिता और पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान को राष्ट्र को स्वतंत्रता दिलाने और बंगाली अधिकारों की पैरवी करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रदान की गई थी। शनिवार को बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय परिसर में मारे गए इंकलाब मंचो के संयोजक शरीफ उस्मान हादी के अंतिम संस्कार की प्रार्थना संपन्न होने के बाद संगठन शाहबाग क्षेत्र की ओर बढ़ा और देश के गृह मंत्रालय को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए उस्मान हादी के हत्यारों की गिरफ्तारी की प्रगति पर रिपोर्ट की मांग की। अंत्येष्टि के बाद, मोनचो ने बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल जहांगीर आलम चौधरी और गृह मंत्रालय में मुख्य सलाहकार के विशेष सहायक, खुदा बख्श चौधरी से हादी के हत्यारों की गिरफ्तारी की प्रगति पर एक रिपोर्ट प्रदान करने की मांग की और चेतावनी दी कि जवाब देने में विफल रहने पर उन्हें इस्तीफा देना होगा।

मुनीर के गले की फांस बनी अमेरिका की दोस्ती, गाजा में सेना भेजने का प्रेशर; अपने ही जाल में कैसे फंसा पाकिस्तान?

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान इस समय अमेरिका से दोस्ती मजूबत करने की कोशिश में लगा हुआ है। इस बीच अमेरिका पाकिस्तान पर गाजा में शांति सेना भेजने का दबाव बना रहा है। जिसको लेकर असीम मुनीर मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। दरअसल, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गाजा शांति समझौते को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिससे पाकिस्तान में सत्ता हिल रही है। उन्होंने पाकिस्तान की गाजा स्टेबिलाइजेशन फोर्स में शामिल होने की पेशकश या विचार करने के लिए आभार जताया। मार्को रुबियो ने कहा कि हम पाकिस्तान के बहुत आभारी हैं कि उन्होंने इसका हिस्सा बनने का प्रस्ताव दिया है या कम से कम इसका हिस्सा बनने पर विचार करने को कहा है। बता दें कि मार्को रुबियो ट्रंप के गाजा पीस प्लान के तहत पाकिस्तानी सेना को गाजा भेजने की बात कर रहे थे। लेकिन पाकिस्तानी सेना इस मुद्दे पर बंटी हुई दिखाई दे रही है। फील्ड मार्शल असीम मुनीर के खिलाफ पाकिस्तान के लोग सड़कों पर उतर आए। राजनीतिक दलों और खासकर मुनीर को इतना ताकतवर बनाने वाली सरकार भी इससे सहमत नहीं है। ऐसे में असीम मुनीर मुश्किल में घिरते नजर आ रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बयान के बाद पाकिस्तान में ऐसी खबरें फैलने लगीं कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर निकट भविष्य में वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वाले हैं। इसके बाद से पाकिस्तान की जनता, मीडिया, सेना, सरकार और अन्य राजनीतिक दल इसका विरोध कर रहे हैं।

हमारा काम नहीं... बढ़ता विवाद देख शनिवार को पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान को सैन्यकर्मी भेजने के लिए नहीं कहा गया है और न ही देश ने अभी तक कोई निर्णय लिया है। इससे पहले, विदेश मंत्री इशाक

डार ने कहा था कि जब तक आईएसएफ के कार्यक्षेत्र स्पष्ट नहीं हो जाते, पाकिस्तान कोई निर्णय नहीं ले सकता और साथ ही यह भी कहा था कि हमास को निरस्त्र करना हमारा काम नहीं है।

मुस्लिम देश को फिलिस्तीनी समूहों से नहीं लड़ना चाहिए : पाकिस्तानियों की मानें तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की योजना मुस्लिम देशों को हमास और अन्य प्रतिरोधक समूहों के साथ टकराव के रास्ते पर धकेलने का है। पाकिस्तानी अखबार द डॉन ने अपने संपादकीय में लिखा है, अमेरिका वह करने की कोशिश कर रहा है, जो इजरायल करने में विफल रहा। हमारा मानना है कि किसी भी मुस्लिम देश को फिलिस्तीनी समूहों से नहीं लड़ना चाहिए। शायद गाजा योजना के इसी अप्रिय पहलू के कारण कई देशों ने सेना भेजने से इनकार कर दिया है। संपादकीय में लिखा है कि इजरायल पर भरोसा नहीं किया जा सकता, और उसने पहले ही संकेत दे दिया है कि वह कब्जे वाले गाजा के महत्वपूर्ण हिस्सों में बने रहने का इरादा रखता है। इसलिए मुस्लिम और अरब देशों को कब्जे को जारी रखने की अमेरिकी-इजरायली योजना में भागीदार नहीं बनना चाहिए।

मुश्किल में फंसे मुनीर : एक तरफ जहां अमेरिका पाकिस्तान के असीम मुनीर पर गाजा में अपनी सेना भेजने का दबाव बना रहा है, वहीं दूसरी हो यह फैसला असीम मुनीर को मुश्किलों में घेर रह है। गौरतलब है कि असीम मुनीर ने पाकिस्तान में सत्ता पर खुद को मजबूत करने के लिए उन्होंने अमेरिका से ज्यादा ही नजदीकी बढ़ा ली है। इससे चीन भी नाराज चल रहा है, लेकिन अब वो अगर पाकिस्तानी सेना को गाजा नहीं भेजते हैं तो ट्रंप भी नाराज हो जाएंगे। ऐसे में एक तरफ जहां अमेरिका पाकिस्तान के असीम मुनीर पर गाजा में अपनी सेना भेजने का दबाव बना रहा है, वहीं दूसरी हो यह फैसला असीम मुनीर को मुश्किलों में घेर रहा है। अगर मुनीर अमेरिका की बातों में आते हैं तो जनता के आक्रोश के साथ पाकिस्तानी सेना में भी विद्रोह की संभावना है।

ईशान किशन के लिए एक और खुशखबरी, विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के लिए झारखंड की करेंगे कप्तानी

एडिलेड (एजेंसी)। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने घोषणा की है कि स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन आगामी विजय हजारे ट्रॉफी एलीट (वीएचटी) 2025/26 सत्र के लिए झारखंड टीम के कप्तान होंगे। वीएचटी 2025/26 सत्र 24 दिसंबर से शुरू होगा, जिसमें झारखंड का पहला मैच अहमदाबाद में कर्नाटक के खिलाफ खेला जाएगा। किशन के अलावा, वीएचटी 2025-26 सत्र के लिए झारखंड टीम में कुमार कुशाग्रा, अनुकूल रॉय, रॉबिन मिंज, अभिनव शरण और विराट सिंह भी शामिल हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025/26 के लिए झारखंड टीम- इशान किशन (विकेटकीपर और कप्तान), विराट सिंह, उत्कर्ष सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर और उप-कप्तान), रॉबिन मिंज, अनुकूल रॉय, शरणदीप सिंह, शिखर मोहन, पंकज कुमार (विकेटकीपर), बाला कृष्णा, एमडी कौनैन कुरैशी, शुभ शर्मा, अमित कुमार, मनीषी, अभिनव शरण, सुशांत मिश्रा, विकास सिंह, सौरभ शेखर, राजनदीप सिंह, शुभम सिंह.

झारखंड के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) 2025/26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ईशान ने टीम को पहली बार एसएमएटी खिताब दिलाया। उन्होंने 10 पारियों में 57.44 के असाधारण औसत से 517 रन बनाए, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। खास बात यह है कि उन्होंने हरियाणा के खिलाफ फाइनल में 101 रनों की मैच-विनिंग पारी खेलकर अपनी टीम को ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

SMAT में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद, किशन को ICC पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम में वापस जगह मिली है। संजू सैमसन के बाद किशन को दूसरे विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में भारतीय टीम में शामिल किया गया है। सूर्यकुमार यादव आगामी टी20 विश्व कप में 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। टी20आई टीम के उप-कप्तान रहे शुभमन गिल को फिटनेस और फॉर्म संबंधी चिंताओं के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है, और अक्षर पटेल उप-कप्तानी की भूमिका में लौट रहे हैं।

नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्सः राफेल नडाल की मौजूदगी में लर्नर टिएन बने चैंपियन

हांगझू (एजेंसी)। जेद्दा- अमेरिकी युवा टेनिस खिलाड़ी लर्नर टिएन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब अपने नाम कर लिया। रविवार को किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी में खेले गए फाइनल मुकाबले में टिएन ने बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 4-3(4), 4-2, 4-1 से हराया। इस यादगार मुकाबले के दौरान स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल भी स्टेडियम में मौजूद रहे।

पिछले साल खिताब से चूकने के बाद इस बार टिएन ने दमदार वापसी की। टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए आसान नहीं रही थी। राउंड-रॉबिन चरण में स्पेन के राफेल जोडर के खिलाफ पहले मैच में वह चार मैच प्वाइंट का फायदा नहीं उठा सके और सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए ग्रुप स्टेज के बाकी दोनों मुकाबले एक सेट से पिछड़ने के बावजूद जीत लिए।

नॉकआउट चरण में टिएन ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा उठाया और एक भी सेट गंवाए बिना फाइनल तक का सफर तय किया। खिताब जीतने के साथ ही वह स्टेफानोस सितसिपास (2018) और कार्लोस अल्काराज (2021) के बाद यह टूर्नामेंट जीतने वाले तीसरे टॉप सीड खिलाड़ी बने। इसके अलावा, वह ब्रैंडन नकाशिमा (2022) के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे अमेरिकी खिलाड़ी भी बने।

फाइनल में बाएं हाथ के टिएन ने महज 58 मिनट में क्लच और आक्रामक खेल का बेहतरीन नमूना पेश किया, जिसकी झलक कभी 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता राफेल नडाल के खेल में देखने को मिलती थी। हालांकि ब्लॉकक्स ने पहले सेट में एक भी फर्स्ट सर्व मिस नहीं की, लेकिन टाईब्रेक में टिएन ने धैर्य बनाए रखा और पहला सेट अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया और आसानी से खिताब जीत लिया।

खिताब जीतने के बाद टिएन ने कहा, 'मैं पिछले एक साल से इस ट्रॉफी को उठाने का इंतजार कर रहा था। इस साल मैंने कई ऐसे लक्ष्य हासिल किए, जिन्हें मैं पाना चाहता था। मेरे पास लक्ष्यों की एक लंबी सूची थी और उनमें से अधिकतर पूरे कर पाया। मैं वाकई बहुत खुश हूं।'

इसी सप्ताह विजय हजारे ट्रॉफी में उतरेंगे रोहित और विराट

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली इसी माह 24 और 25 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे। इन दोनो ने ही हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। अब इन दोनो का लक्ष्य विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर टीम में अपनी जगह बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम को अगले साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी खेलना है। ये दोनो ही उसमें भी बेहतर प्रदर्शन कर साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए दौड़ में बने रहना चाहेंगे।

इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास के बाद से ही ये दोनों केवल एकदिवसीय में ही खेल रहे हैं। ऐसे में इन दोनो को ही लय में बने रहने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीससीआई) ने घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी है। इसी कारण 24 दिसंबर को रोहित मुंबई के लिए जबकि 25 से विराट दिल्ली की तरफ से खेलते नजर आएंगे!

वहीं ये भी कहा जा रहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली एकदिवसीय सीरीज से रोहित और विराट को आराम दिया जा सकता है।

बीसीसीआई ने सारे खिलाड़ियों को लिए घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य कर दिया है। जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं चल रहा हो तो खिलाड़ियों को घरेलू मैच में खेलना होगा। बोर्ड के बनाए नियम में केवल चोटिल खिलाड़ियों को राहत मिलेगी। ऐसे में रोहित और विराट को भी एक दशक से अधिक समय के बाद घरेलू क्रिकेट खेलने को मजबूर होना पड़ा है। इसका एक कारण ये भी है एकदिवसीय मैच काफी कम होते हैं जिससे इन्हें अभ्यास के लिए घरेलू मैच खेलना जरुरी हो गया है।

शुभमन गिल को टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर करने पर पूर्व सिलेक्टर हैरान, इसकी उम्मीद नहीं कर रहे थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम के चयन ने क्रिकेट जगत में बड़ी बहस छेड़ दी है। उप-कप्तान शुभमन गिल को 15 सदस्यीय टीम से बाहर किए जाने का फैसला कई दिग्गजों के लिए चौंकाने वाला रहा। भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व चयन समिति अध्यक्ष क्रिस श्रीकांत ने इस फैसले पर खुलकर हैरानी जताई और कहा कि उन्हें चयनकर्ताओं से ऐसे साहसिक कदम की उम्मीद नहीं थी। हालांकि, उन्होंने इसके बावजूद मौजूदा चयन समिति की सराहना भी की।

शुभमन गिल को बाहर करने पर श्रीकांत की हैरानी

क्रिस श्रीकांत ने कहा कि शुभमन गिल को टीम से बाहर किया जाना उनके लिए 'बड़ा झटका' था। उनके मुताबिक जब किसी खिलाड़ी को उप-कप्तान बनाया जाता है, तो यह साफ संकेत होता है कि टीम मैनेजमेंट उस पर भरोसा कर रहा है। ऐसे में बड़े टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर गिल को बाहर करना भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलता है। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब शो में कहा कि वह इस फैसले की उम्मीद नहीं कर रहे थे, खासकर तब जब गिल हाल ही में टेस्ट और वनडे टीम में नेतृत्व की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

चयन समिति के फैसले की तारीफ

हालांकि अपनी हैरानी के बावजूद श्रीकांत ने अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की तारीफ की। उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं ने एक ÷शानदार÷ और संतुलित टीम चुनी है, जो आधुनिक टी20 क्रिकेट की मांगों के अनुरूप है। उनका मानना है कि चयन समिति ने भावनाओं से ऊपर उठकर प्रदर्शन और टीम कॉम्बिनेशन को प्राथमिकता दी। श्रीकांत के अनुसार, यह फैसला भले ही कठोर लगे, लेकिन लंबे समय में टीम के लिए फायदेमंद हो सकता है।

टी20आई में गिल का प्रदर्शन बना कमजोर कड़ी

शुभमन गिल का टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड उनके खिलाफ गया। उन्होंने 15 टी20ढ्ढ मैचों में 140 से कम के स्ट्राइक रेट से 291 रन बनाए, जो एक टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज से अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखाता। टी20 फॉर्मेट में तेज रन बनाने की जरूरत होती है और यहीं पर गिल पिछड़ते नजर आए। उनकी मौजूदगी के कारण भारत को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सफल ओपनिंग जोड़ी को तोड़ना पड़ा, जो टीम के संतुलन पर असर डाल रहा था।

अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन को बढ़त

श्रीकांत ने साफ कहा कि टी20 क्रिकेट में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन, गिल से आगे नजर आते हैं। अभिषेक शर्मा को उन्होंने 'दुनिया का नंबर वन' तक कह दिया, जबकि संजू सैमसन और ईशान किशन विकेटकीपर-बल्लेबाज का उपयोगी विकल्प देते हैं। उनके मुताबिक, ईशान किशन की वापसी ने टीम को आक्रामक शुरुआत और अतिरिक्त

फ्लेक्सिबिलिटी दी है, जो बड़े टूर्नामेंट में अहम भूमिका निभा सकती है।

गिल को करना होगा इंतजार

श्रीकांत ने यह भी कहा कि शुभमन गिल की काबिलियत पर कोई शक नहीं है। वनडे और टेस्ट क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड शानदार है, खासकर विदेशी परिस्थितियों में। लेकिन टी20 क्रिकेट में उन्हें अभी खुद को साबित करना होगा। पूर्व कप्तान के अनुसार, गिल को अब धैर्य रखना होगा और जब भी मौका मिले, टी20 फॉर्मेट में अपनी स्ट्राइक रेट और प्रभाव को बेहतर बनाना होगा।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन एशेज के बचे हुए मैचों में नहीं खेल पायेंगे

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया के स्टार स्पिनर नाथन लियोन हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पायेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम 26 दिसंबर से इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में उतरेगी। इससे लियोन पूरी तरह से बाहर हो गये हैं। इसका कारण है कि एडीलेड टेस्ट में लियोन की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इसी कारण वह मैच में पूरे समय गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। तीसरे टेस्ट में फील्डिंग करते समय लियोन ने एक गेंद को रोकने के लिए छलांग लगाई। इसके बाद ही उन्हें दर्द शुरु हो गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एक प्रवक्ता ने कहा कि लियोन की चोट ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ा झटका है। लियोन ने तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इंग्लैंड की दूसरी पारी में तीन विकेट ओर दोनो पारियों को मिलाकर पांच विकेट लिए थे। उन्होंने तब विकेट लिए जब इंग्लैंड की टीम तेजी से 435 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी।

हरमनप्रीत 350 मैच खेलने वाली पहली भारतीय व विश्व की दूसरी महिला क्रिकेट बनी

विशाखापट्टनम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 350 मैच खेलने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं। हरमनप्रीत ने यह उपलब्धि श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टी20 मुकाबले में हासिल की। हरमनप्रीत ने साल 2009 में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू किया था और इसके बाद से ही वह वह लगातार आगे बढ़ती रही हैं। अपनी बल्लेबाजी के साथ ही कप्तानी कौशल से वह भारतीय महिला क्रिकेट की एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरी हैं। वह महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं सबसे अधिक मैच खेलने का रिकार्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है। बेट्स ने 355 मैच खेले हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी ने 347 मैच खेले हैं। हरमनप्रीत ने अपने करियर में कई मैच विजेता पारियां खेली हैं। उन्होंने साल 2017 विश्वकप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली थी। इस पारी को महिला क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ पारियों में शामिल किया गया है। इसके अलावा उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने आईसीसी विश्वकप जीता है। हरमनप्रीत ने 350 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 183 टी20, 161 एकदिवसीय और 9 टेस्ट शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने तीनों प्रारुपों को मिलाकर 8 शतक के साथ ही कुल 8000 से ज्यादा रन बनाये हैं। वहीं गेंदबाजी के दौरान इस बल्लेबाज ने 75 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को तीसरे टेस्ट में 323 रनों से हराया, तीन मैचों की सीरीज 2-0 से जीती

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में मेहमान वेस्टइंडीज को बड़े अंतर से हराया। यह मैच टेस्ट सीरीज का न केवल आखिरी बल्कि निर्णायक मुकाबला भी था। माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान में खेले गए मुकाबले में कीवी टीम ने हर विभाग में शानदार खेल दिखाया और 323 रनों से जीत दर्ज की।

मैच में टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने पहली पारी में 8 विकेट पर 575 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। कप्तान टॉम लैथम ने 137 रन की अहम पारी खेली, जबकि उनके साथी ओपनर डेवोन कॉन्वे ने शानदार 227 रन बनाए। कॉनवे ने इस पारी में दोहरा शतक लगाया और टेस्ट क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 420 रन पर सिमट गई। इस दौरान क्रेम हॉज ने शतक लगाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन बाकी

बल्लेबाज ज्यादा देर टिक नहीं सके। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में एक बार फिर अपने ओपनिंग बल्लेबाजों के बेजोड़ प्रदर्शन के चलते 2 विकेट खोकर 306 रन बनाए और पारी घोषित कर दी। इस बार भी कप्तान टॉम लाथम ने 101 रन और डेवोन कॉन्वे ने 100 रन की शतकीय पारी खेली, जिससे वेस्ट इंडीज पर दबाव और बढ़ गया। 462 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में सिर्फ 138 रन पर ही ढेर हो गई। इस दौरान जैकब डफी ने पांच विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 42 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। एजाज पटेल ने भी अच्छा साथ देते हुए 32 ओवर में 21 मेडन ओवर फेंके और केवल 23 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

मैच की खास बातें यह रहीं कि डेवोन कॉन्वे ने एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक और शतक दोनों लगाए। टॉम लैथम ने भी दोनों पारियों में शतक जड़कर कप्तानी पारी खेली। डेवोन कॉन्वे को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। वहीं, वेस्टइंडीज की ओर से क्रेम हॉज का शतक ही एकमात्र बड़ी उपलब्धि रहा। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने दोनों पारियों में समय पर विकेट लेकर टीम को आसान जीत दिलाई।

इसके साथ ही न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया है। सीरीज का पहला मैच ड्रा रहा था, जिसके बाद मेजबान टीम ने लगातार दो टेस्ट अपने नाम किए और सीरीज को जीत लिया। पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए जैकब डफी को प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया।

एस्टन विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर लगातार 10वीं जीत हासिल की

मैनचेस्टर (इंग्लैंड)। मॉर्गन रोजर्स के दो गोल की मदद से एस्टल विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराकर खुद को इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में बनाए रखा। एस्टन विला की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार दसवीं जीत है। वह ईपीएल की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है और शीर्ष पर काबिज आर्सेनल से केवल तीन अंक पीछे है। रोजर्स ने अपना पहला गोल 45वें और दूसरा गोल 57वें मिनट में किया। यूनाइटेड के लिए एकमात्र गोल मैथियस कुन्हा ने किया। इस तरह से एस्टन विला का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। उसने लीग में अपने पिछले 12 मैचों में से 11 में जीत हासिल की। यह हार यूनाइटेड के लिए एक और झटका है। वह अपने पिछले आठ मैचों में से केवल दो में जीत हासिल कर पाया है और वह तालिका में सातवें स्थान पर है।

अंडर-19 एशिया कप जीतकर मालामाल हुई पाकिस्तान टीम, प्रत्येक खिलाड़ी को मिलेंगे एक-एक करोड़ रुपए

कराची । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने सोमवार को अपने देश की अंडर-19 एशिया कप विजेता टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के लिए एक करोड़ रुपए के विशेष नकद पुरस्कार की घोषणा की। पाकिस्तान की युवा टीम ने रविवार को दुबई में खेले गए फाइनल में भारत को 191 रन से हराकर खिताब जीता था। शरीफ ने इस्लामाबाद में टीम और उसके सहयोगी स्टाफ के लिए आयोजित किए गए स्वागत समारोह में यह घोषणा की। टीम के मेंटोर (मार्गदर्शक) और मैनेजर सरफराज अहमद ने स्वागत समारोह के बाद मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री ने प्रत्येक खिलाड़ी को एक करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। इससे पहले रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एशिया कप जीतने वाली जूनियर टीम के खिलाड़ियों के लिए 50-50 लाख रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

हॉकी इंडिया का बड़ा ऐलान : आगामी लीग के लिए फैंस को मिलेंगे मुफ्त टिकट

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने हॉकी इंडिया लीग (HIL) 2025-26 को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए बताया है कि आगामी सीजन के मुकाबलों के लिए दर्शकों को मुफ्त टिकट उपलब्ध कराए जाएंगे। इसका मकसद देश के अलग-अलग शहरों में हॉकी के प्रति फैंस की भागीदारी बढ़ाना और खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाना है। महिला हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत 28 दिसंबर से रांची में होगी और यह टूर्नामेंट 10 जनवरी तक चलेगा। वहीं, पुरुष हॉकी इंडिया लीग का आगाज 3 जनवरी से चेन्नई में होगा, जिसके बाद मुकाबले 11 जनवरी से रांची में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का अंतिम चरण हॉकी के गढ़ माने जाने वाले भुवनेश्वर में 17 से 26 जनवरी के बीच आयोजित होगा। रांची चरण के लिए Hero HIL के टिकट आज सुबह 11 बजे से उपलब्ध करा दिए गए हैं, जबकि चेन्नई में होने वाले पुरुषों के मुकाबलों के टिकट बुधवार सुबह 11 बजे से मिलेंगे। पिछली बार की तरह इस बार भी हॉकी इंडिया देश के हर कोने तक हॉकी पहुंचाने और इसे अधिक सुलभ बनाने के अपने लक्ष्य पर कायम है। हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के चेयरपर्सन दिलीप तिर्की ने कहा, 'हमने एक बार फिर फैसला किया है कि चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में होने वाले सभी मुकाबलों के लिए हॉकी प्रेमियों को मुफ्त टिकट दिए जाएंगे। महिला लीग रांची में होगी, जबकि पुरुषों की लीग तीन शहरों में खेली जाएगी। हमारा उद्देश्य स्टेडियम को उन फैंस से भरना है जो अपने पसंदीदा सितारों को खेलते देखना चाहते हैं। इस सीजन में दुनिया के कई शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और हमें शानदार हॉकी देखने की उम्मीद है।' गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने भी इसी तरह की बात कहते हुए कहा, 'Hero HIL एक महीने तक चलने वाला हॉकी का उत्सव होगा। हम सभी हॉकी प्रेमियों को #HockeyKaJashn देखने के लिए आमंत्रित करते हैं। हमारा लक्ष्य पूरे देश में हॉकी का फैनबेस बढ़ाना है और हमें उम्मीद है कि इस सीजन में सभी स्टेडियम खचाखच भरे रहेंगे।' इस साल की हॉकी इंडिया लीग में आठ पुरुष टीमें और चार महिला टीमें हिस्सा लेंगी। नए और रिवैम्प्ड फॉर्मेट के साथ दोनों लीग में तेज रफ्तार और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे, जिससे फैंस को पूरे एक महीने तक शानदार हॉकी का आनंद मिलेगा।

2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से दुखी होकर संन्यास लेना चाहता था: रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है साल 2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से वह हताश थे और उन्होंने खेल से संन्यास का फैसला कर लिया था। तब वह इतने दुखी थे और उन्हें लगा था कि इस खेल ने उनसे सब कुछ छीन लिया है। तब भारतीय टीम ने सभी मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी थी पर वहां उसे ऑस्ट्रेलिया ने हरा दिया था। तब ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने शतक लगाकर भारतीय टीम के हाथ आयी जीत छीन ली थी। रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा कि फाइनल के बाद उन्हें लगा था कि अब मुझे नहीं खेलना चाहिये क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया है और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचा है। इस सदमे से उबरने में मुझे कुछ समय लगा था। मैं अपने को याद दिलाता था कि यही वह खेल है, जिससे मुझे असल में प्यार है। यह चीज मेरे पास है और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता। इसके बाद धीरे-धीरे मैं इस झटके से उबर गया। मैंने अपनी खोई हुई ताकत वापस हासिल की और फिर से मैदान पर उतर गया। उन्होंने माना कि उस हार से हर कोई दुखी था और हमें भरोसा नहीं हो रहा था कि अचानक ही क्या हुआ है। मेरे लिए तो कप्तान होने के कारण यह बहुत कठिन दौर था क्योंकि मैंने उस विश्व कप के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था। विश्व कप से पहले ही नहीं, बल्कि साल 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से ही मैं उसके लिए तैयारी कर रहा था.

रोहित ने टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और अब वह एकदिवसीय में ही खेलते हैं। उनका लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना और उसे जीतना है।

रोहित ने कहा, 'मेरा एकमात्र लक्ष्य विश्व कप जीतना था, चाहे वह टी-20 विश्व कप हो या 2023 में एकदिवसीय विश्व कप इसलिए जब ऐसा नहीं हो पाया तो मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मेरे शरीर में बिल्कुल भी शक्ति नहीं बची थी। मुझे इससे उबरने और वापसी करने में कुछ माह लग गये थे।'

भारतीय टीम ने इसके बाद उनकी कप्तानी में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए 2024 के टी20 विश्व कप में खिताब जीता था पर वह नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार से इसके बाद भी नहीं उबर पाये।

रोहित ने कहा, 'जब आप किसी चीज को हासिल करने के लिए अपनी सारी ताकत लगा देते हैं और फिर

आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिलता है तो दुखी होना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है. मेरे साथ भी ठीक यही हुआ, लेकिन मुझे यह भी पता था कि जीवन यहीं खत्म नहीं होता, इससे सबक लेते हुए हमने टी20 विश्वकप जीता।'

मैंने प्यार किया फेम भाग्यश्री पर चढ़ा बनारस का रंग

90 के दशक की सुपरहिट फिल्म मैंने प्यार किया फेम भाग्यश्री सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। अभिनेत्री हाल ही में बनारस की सैर पर थी। शनिवार को अभिनेत्री ने घाट की शानदार तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री गंगा घाट पर आनंद लेती नजर आ रही हैं। उन्होंने पोस्ट कर एक मजेदार कैप्शन लिखा, बनारस की सुबह। यहां की सुबह कुछ अलग ही होती है। यहां पर सुकून और शांति मिलती है, जैसे सभी नदियों में गंगा का पानी सबसे खास हो। यहां आकर इंसान खुद को भूल जाता है और नाविक आपको गंगा पार कराकर आपसे ही आपकी पहचान करा देता है। उन्होंने आगे लिखा, बनारस की हर सुबह अलग होती है। आज मौसम बादलों से घिरा था, इसलिए सूरज की पहली किरणें नहीं दिखीं। फिर भी यह अनुभव बहुत शांत और अद्भुत था। फैंस को अभिनेत्री का ये पोस्ट काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन में खुलकर अपना प्यार लुटा रहे हैं। वहीं एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, गंगा मैया चे विस्तिर्ण पात्र, निर्मळ पाणी 'गंगा तेरा पानी अमृत, झर झर बहता जाए, युग युग से इस देश की धरती, तुझसे जीवन पाए। अभिनेत्री ने अपने करियर में भले ही कुछ ही फिल्मों में काम किया हो, लेकिन दर्शकों के दिलों में वे आज भी मौजूदगी दर्ज करवाती हैं।

सोनू के टीटू की स्वीटी के इस सीन के अमिताभ बच्चन हुए फैन

कार्तिक आर्यन की सोनू के टीटू की स्वीटी का एक आइकॉनिक वॉकिंग सीन एक बार फिर चर्चा में है और इस बार वजह बने हैं खुद सदी के महानायक अमिताभ बच्चन। सालों पहले फिल्म में दिखा यह शांत लेकिन बेहद असरदार पल अब दोबारा सुर्खियों में आ गया है, जब अमिताभ बच्चन ने 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट पर इस सीन को याद करते हुए कार्तिक की तारीफ की। महानायक ने बातचीत के दौरान फिल्म का ज़िक्र करते हुए बताया कि कार्तिक का एक खास शॉट उनके ज़हन में आज भी बसा हुआ है। यह वही आखिरी सीन है, जहां कार्तिक का किरदार बिना एक भी शब्द बोले, सिर्फ खामोशी के साथ वहां से चला जाता है और भावनाएं खुद-ब-खुद सामने आ जाती हैं। उस पल को याद करते हुए अमिताभ बच्चन ने कहा, 'मैं आपको बताऊं, मुझे आपका कौन सा शॉट याद है। आप लास्ट शॉट में एकदम सीरियस होकर खड़े होते हो। बस आपको 'ना' बोलना होता है। पर आप 'ना' नहीं बोलते। आप चुप-चाप चलकर आते हो... और निकल जाते हो।' परफॉर्मेंस की इस सादगी और संयम की तारीफ करते हुए बिग बी ने इसे एक शब्द में समेटते हुए 'असाधारण' बताया। अमिताभ बच्चन की इस टिप्पणी ने दर्शकों के दिल को छू लिया। सोशल मीडिया पर फैंस ने एक बार फिर उस सीन को देखा और उसकी भावनात्मक गहराई की सराहना की। ऐसे दौर में, जहां ज़ोरदार डायलॉग्स और ओवर-द-टॉप क्लाइमेक्स आम हो चुके हैं, कार्तिक का यह साइलेंट मोमेंट यह याद दिलाता है कि कभी-कभी खामोशी ही सबसे ज़्यादा बोलती है। भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े आइकॉन से मिली इस खास सराहना के बीच, कार्तिक आर्यन अब अपनी अगली फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की तैयारी में जुटे हैं, जो क्रिसमस पर रिलीज़ होने वाली है। ऐसे में फेस्टिव सीज़न में दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

तमन्ना भाटिया ने 16 साल की उम्र में डेब्यू

आज बॉलीवुड और साउथ की टॉप एक्ट्रेस में शुमार

कातिलाना अदाएं, जबरदस्त अदाकारी और गजब का कॉन्फिडेंस... बॉलीवुड हो या साउथ इंडस्ट्री, हर जगह अपनी पहचान बनाने के लिए इन तीन चीजों की जरूरत पड़ती ही है। ऐसे में किसी ने शब्दों को सच कर दिखाया है तो वो हैं तमन्ना भाटिया। यूं तो इंडस्ट्री में हसीनाओं की कमी नहीं है, लेकिन तमन्ना ने बेहद कम समय में अपनी एक्टिंग, डांसिंग और बेमिसाल फैशन सेंस से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने सिर्फ साउथ में ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड में भी अपना सिक्का मनवाया है।

तमन्ना का जन्म 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में हुआ। बहुत कम उम्र में ही उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। महज 16 साल की उम्र में उन्होंने अपनी पहली हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। तमन्ना ने जल्द ही साउथ इंडस्ट्री की ओर रुख किया और वहां अपनी मेहनत और टैलेंट से खुद को साबित किया। तमिल और तेलुगु फिल्मों में उन्होंने कई हिट फिल्में दीं और जल्दी ही टॉप एक्ट्रेस बन गईं। 2013 में उन्होंने बॉलीवुड में 'हिम्मतवाला' से वापसी की। तमन्ना की खूबसूरती, अदाएं और स्टाइल हर किसी के दिल को छू जाती हैं। आज की रात', 'नशा' और 'पिया के बाजार' जैसे आइटम सॉन्ग्स में उन्होंने अपने शानदार डांस मूव्स से दर्शकों को दीवाना बना दिया। इसके अलावा, वह 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं, जिनमें उनकी एक्टिंग और प्रेजेंस ने सबका ध्यान खींचा। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी तमन्ना ने अपनी छाप छोड़ी। 'जी करदा' और 'आखिरी सच' जैसी वेब सीरीज में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया। इन दोनों सीरीज के लिए उन्हें बॉलीवुड हंगामा ओटीटी इंडिया फेस्ट में 'बेस्ट फीमेल एक्टर ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड भी मिला।

अनुपम खेर ने इस बात के लिए की करीना कपूर की तारीफ

अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह अक्सर अपनी जिंदगी से जुड़ी अपडेट साझा करते रहते हैं। हाल ही में वह अभिनेत्री करीना कपूर से एक फ्लाइट में मिले। उन्होंने करीना के साथ तस्वीरें ली और इसे इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेता ने करीना के बारे में कई बातें लिखी हैं।

करीना कपूर के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए अनुपम खेर ने पोस्ट में लिखा 'फ्लाइट में करीना कपूर के साथ। मैं बेबो से साल 2000 में 'रिफ्यूजी' के सेट पर मिला था। यह उनकी डेब्यू फिल्म थी। वह बेहद खूबसूरत, आत्मविश्वासी होने के साथ-साथ थोड़ी नाजुक भी थीं। वह बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए बेचैन थीं। एक इंसान के तौर पर वह कमाल की हैं! कई वर्षों में उन्होंने बहुत तरक्की की है।'

अच्छे रोल की तलाश में करीना कपूर

अनुपम खेर ने आगे लिखा 'बीते कल हम एक ही फ्लाइट में थे। हमने कई चीजों के बारे में बातें कीं। 25 वर्षों के बाद यह जानकर अच्छा लगा कि वह अच्छे रोल की तलाश में हैं। वह एक बेहतरीन इंसान हैं और उन्हें बात करना पसंद है। मेरी तारीफ करने के लिए करीना कपूर आपका बहुत शुक्रिया। इतने वर्षों बाद मैं वैसा ही दिखता हूं। भगवान आपको और आपके परिवार को सुखी रखे। आपको प्यार और आपके लिए दुआएं।'

'शक्तिमान' के लिए मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह को कहा था 'ना'

मुकेश खन्ना ने फिल्म 'शक्तिमान' के लिए रणवीर सिंह को मना कर दिया था, हालांकि अब उनकी फिल्म 'धुरंधर' की कामयाबी के बाद उनकी तारीफ की है। अभिनेता मुकेश खन्ना ने 'धुरंधर' के बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन करने पर तारीफ की है। उन्होंने 'धुरंधर' को परफेक्ट फिल्म बताया है। उन्होंने फिल्म के कलाकारों रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना की भी तारीफ की है। आइए जानते हैं अभिनेता ने फिल्म के बारे में और क्या कहा है? मुकेश खन्ना ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा 'यह परफेक्ट और कमर्शियल फिल्म है, जो जनता को पसंद आएगी। हर डिपार्टमेंट ने अपना बेस्ट काम किया है, चाहे वह अभिनय हो, निर्देश हो, एक्शन हो, सिनेमैटोग्राफी हो या लेखन हो। सबने अपना बेस्ट दिया है, इसलिए आप इस फिल्म को हर तरह से 'धुरंधर' कह सकते हैं।'

मुकेश खन्ना ने की रणवीर सिंह की तारीफ

रणवीर सिंह की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा 'हां, मैं इस फिल्म 'धुरंधर' के हीरो रणवीर सिंह की तारीफ करना चाहूंगा। आप कहेंगे, 'आपने उन्हें शक्तिमान का रोल नहीं करने दिया'। हो सकता है मैंने उन्हें शक्तिमान का रोल देने से मना किया हो, लेकिन वह एक अच्छे एक्टर हैं। मैं यह हमेशा कहता हूं।' ख्याल रहे मुकेश खन्ना बॉलीवुड फिल्मों में अपनी बेहतरीन अदाकारी के साथ टीवी सीरियल 'शक्तिमान' से काफी मशहूर हुए।

उर्मिला मातोंडकर ने छोड़ी एक्टिंग?

51 साल की अभिनेत्री ने अफवाहों पर दिया रिएक्शन

एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने 1977 की फिल्म 'कर्म' में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर एक्टिंग डेब्यू किया था। 1991 में, उन्होंने 'नरसिम्हा' से लीड रोल में डेब्यू किया। इसके बाद वह 'रंगीला', 'जुदाई', 'कौन', 'भूत' और 'पिंजर' जैसी फिल्मों में नजर आईं। हालांकि, वह कई वर्षों से स्क्रीन से दूर हैं, जिससे दर्शकों को लगता है कि उन्होंने शायद फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी है। फिल्म से दूरी बनाने की अफवाहों पर उर्मिला ने अपनी बात रखी है। फिल्मों से दूरी बनाने की अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए उर्मिला मातोंडकर ने एचटी से कहा, 'जब मेरे काम की बात आती है, तो मैं हमेशा सेलेक्टिव रही हूं। अगर किसी को लगा कि शायद मैं फिल्में नहीं कर रही हूं या कुछ और, तो मैं किसी को दोष नहीं दे सकती। हालांकि ऐसा कभी नहीं था। मैं इस समय सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।'

ओटीटी पर काम करना चाहती हैं उर्मिला

उर्मिला ने यह भी बताया कि वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा 'अब सेट पर वापस जाने और फिर से धमाल मचाने का समय आ गया है।' उर्मिला ने बताया कि वह किस तरह के रोल करना चाहती हैं, 'मैं ऐसे रोल ढूंढ रही हूं जो मैंने पहले नहीं किए हैं, खासकर ओटीटी पर।

शेफाली शाह ने सुनाई वेकेशन की दास्तां

शिफॉन साड़ियां यशराज फिल्म में ही अच्छी लगती हैं

अभिनेत्री शेफाली शाह इन दिनों परिवार के साथ विदेश में छुट्टियां मना रही हैं। शेफाली ने मजाकिया अंदाज में बताया कि ठंड के मौसम में उन्हें मजेदार अनुभव और सबक मिले। शेफाली ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं और साथ में मजेदार अंदाज में छुट्टियों के बारे में भी बताया। शेफाली ने लिखा, 'पहले मैं ठंड में जम गई थी, अब पिघल रही हूं। ठंड में प्यार नहीं, बल्कि थर्मल कपड़े ही गर्म रखते हैं। पुराने थर्मल का साथ कभी न छोड़ें और हां, बर्फ पर गिरने का खतरा ज्यादा होता है। आप ठंड के समय में छुट्टियों पर निकलें और आपके साथ कोई ऐसा शख्स न हो जो दस्ताने, फोन, स्कार्फ संभाल सके, तो मुश्किल और भी बढ़ जाती है।' शेफाली शाह ने यशराज फिल्म्स का जिक्र करते हुए आगे कहा, 'शिफॉन साड़ियां तो यशराज फिल्मों में अच्छी लगती हैं, रियल लाइफ में नहीं, क्योंकि ठंड में उंगलियां जाती हैं। ठंड को हल्के में न लें। यहां कम-ज्यादा नहीं, बल्कि ज्यादा लेयरिंग करें। हो सके तो जैकेट के नीचे 64 थर्मल लेयर पहन लें। जो लोग सर्दी के कपड़ों में स्टाइलिश दिखते हैं, वो शेफाली तो पक्का नहीं हो सकते हैं। अच्छे कपड़े या गर्म रहकर जिंदा रहना, मैंने दूसरे का चुनाव किया। स्नो पैंट स्टाइल के लिए नहीं, बल्कि गीला होने से बचाने के लिए होते हैं, इसलिए जरूर पहनें। एक आउटफिट तैयार करने में तीन घंटे लग जाते हैं - लेयरिंग, जूते के फीते बांधना, दस्ताने उतारना-पहनना और आखिर में पता चलना कि अंदर की थर्मल लेयर भूल गए।' एक्ट्रेस ने आगे बताया,' पुराने स्नो शूज न पहनें, नहीं तो 'सोल लेस' हो जाएंगे। हील वाले बूट सेक्सी हैं, लेकिन भद्दे कपड़े पहनकर जिंदा रहना बेहतर है। स्टाइलिश कपड़ों में ठंड से बचाव नहीं हो सकता। '

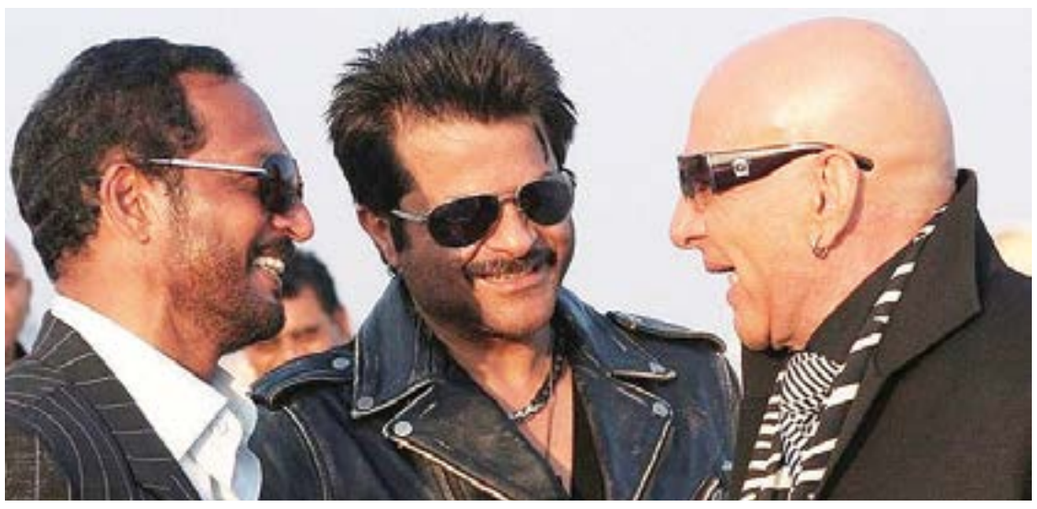

बिना आरडीएक्स के वेलकम अधूरी

फिल्म के 18 साल पूरे होने पर अनिल कपूर ने किया फिरोज को याद

बॉलीवुड की यादगार कॉमेडी फिल्मों में शामिल 'वेलकम' जैसी फिल्म को आज तक याद किया जाता है। मल्टीस्टार कास्ट से सजी इस फिल्म की खासियत यह रही कि हर किरदार ने अपनी अलग पहचान बनाई और अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों में जगह बना ली। चाहे 'मेरी एक टांग नकली है, मैं हॉकी का बहुत बड़ा खिलाड़ी था' जैसे डायलॉग से हंसी बटोरने वाले मुश्ताक खान हों या फिर 'देखो वो जिंदा है' कहकर याद रह जाने वाली सुप्रिया कार्निक, फिल्म का हर किरदार आज भी लोगों को याद है। अब जब इस कॉमेडी क्लासिक के 18 साल पूरे हो चुके हैं, तो अभिनेता अनिल कपूर ने फिल्म से जुड़े अपने पुराने साथी और दिवंगत अभिनेता-निर्माता फिरोज खान को याद करते हुए उनसे जुड़ी यादों को साझा किया है। वेलकम फिल्म के 18 साल होने पर अनिल कपूर ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा किया है और फिल्म के सुपरहिट होने का श्रेय भी दिवंगत फिरोज खान को दिया है। अभिनेता ने फिल्म की पुरानी फोटोज को शेयर कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'वेलकम के 8 साल। यह फिरोज खान साहब के लिए है। आरडीएक्स के बिना 'वेलकम' अधूरी थी, ठीक वैसे ही जैसे मोगैम्बो के बिना 'मिस्टर इंडिया' अधूरा थी। दोनों की जगह कोई नहीं ले सकता। उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे स्क्रिप्ट सुनते समय याद है, मैं सोच रहा था कि यह कैसी बनेगी। पिक्चर यहीं रुक जाती है, बैठ जाती है। अनीस भाई ने कहा, 'चिंता मत करो, फिरोज साहब पिक्चर संभाल लेंगे,' और उन्होंने ऐसा ही किया। आरडीएक्स ने फिल्म को ऊपर उठा दिया।

साभार एजेंसी

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण दमण एवं एनडीआरएफ वडोदरा 6वीं बटालियन ने छात्रों को दिया स्कूल सेफ्टी और फायर सेफ्टी प्रशिक्षण

■ दमण के सार्वजनिक विद्यालय और सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झरी में हुआ कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 दिसंबर। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण दमण द्वारा 6वीं बटालियन राष्ट्रीय आपदा मोचन बल वडोदरा के सहयोग से आपदा प्रबंधन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने हेतु फैमिलियराइजेशन एक्सरसाइज कार्यक्रम का पुनर्निर्धारित आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 22 दिसंबर से 27 दिसंबर 2025 तक दमण जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्थानीय समुदाय को प्राथमिक उपचार, स्कूल सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा, बाढ़ बचाव एवं रेस्क्यू तकनीकों के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। कार्यक्रम के अंतर्गत एनडीआरएफ के विशेषज्ञों द्वारा ओरिएंटेशन एवं लाइव डेमोंस्ट्रेशन किए जाएंगे, जिससे आपदा के समय त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया की क्षमता विकसित की जा सके। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण दमण द्वारा आम नागरिकों, विद्यार्थियों एवं स्थानीय समुदाय से इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करने की अपील की गई है, ताकि आपदा की स्थिति में जन-हानि को न्यूनतम किया जा सके और सुरक्षित समाज का निर्माण हो सके। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण दमण के तत्वावधान में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल 6वीं बटालियन वडोदरा के सहयोग से आज सार्वजनिक विद्यालय नानी दमण तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झरी मोटी दमण में स्कूल सेफ्टी प्रशिक्षण एवं फायर एंड सेफ्टी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज के इस कार्यक्रम में सार्वजनिक विद्यालय नानी दमण में कुल 8 शिक्षकों, 50 लड़कों और 95 लडकियों ने भाग लिया था, जिन्हें प्रशिक्षण दिया गया। सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल झरी मोटी दमण में कुल 16 शिक्षकों, 58 लड़कों और 67 लडकियों को तालीम दिया गया था। कुल 294 पार्टिसिपेंट को ट्रेनिंग दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को आपदा से पूर्व तैयारी, आग से बचाव, सुरक्षित निकासी (एवैक्यूएशन), प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सही प्रतिक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई। एनडीआरएफ टीम द्वारा व्यावहारिक प्रदर्शन (प्रैक्टिकल डेमोंस्ट्रेशन) के माध्यम से आग लगने की स्थिति में बचाव के उपाय समझाए गए। कार्यक्रम में आपदा मित्र, स्वयंसेवकों ने भी सक्रिय सहभागिता की और विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन में सामुदायिक भूमिका के महत्व से अवगत कराया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यालय स्तर पर आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं विद्यार्थियों को आपात स्थितियों का सामना करने के लिए सक्षम बनाना है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण दमण ने भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता दोहराई। 23 दिसंबर 2025 (मंगलवार) को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भीमपोर नानी दमण के विद्यार्थियों हेतु प्रशिक्षण, 24 दिसंबर 2025 (बुधवार) को मोटा फलिया कम्युनिटी हॉल, वरकुंड में एनएसएस कैंप के लिए बाढ़ बचाव एवं रेस्क्यू तकनीकी, 25 दिसंबर 2025 (गुरुवार) को मिटनावाड, डीएमसी नानी दमण में स्थानीय समुदाय हेतु बाढ़ बचाव, प्राथमिक उपचार एवं अग्नि सुरक्षा, 26 दिसंबर 2025 (शुक्रवार) को श्री माछी महाजन इंग्लिश मीडियम स्कूल नानी दमण में विद्यार्थियों हेतु प्रशिक्षण और 27 दिसंबर 2025 (शनिवार) को खारीवाड़, डीएमसी नानी दमण में स्थानीय समुदाय हेतु प्राथमिक उपचार, अग्नि सुरक्षा एवं रेस्क्यू ऑपरेशन्स का आयोजन किया जायेगा। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण दमण के मार्गदर्शन में मास्टर ट्रेनर आपदा मित्र द्वारा शासकीय कॉलेज दमण के एनएसएस शिविर के अंतर्गत मोटा फलिया कम्युनिटी हॉले वरकुंड में आपदा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

असली आज़ादी दैनिक का डिजिटल एडिशन पढने के लिए नीचे दिये गये ऐप अपने मोबाइल में डाउनलोड करें

आप हमारी वेबसाइट www.asliazadi.com पर भी ई-पेपर पढ सकते है

www.asliazadi.com

Download on the App Store
4000 से ज्यादा डाउनलोड

ANDROID APP ON Google play
10,000 से ज्यादा डाउनलोड

आईफोन यूज़ करने वाले नागरिक इस लिंक को डाउनलोड करके या बार कोड को स्केन करके असली आजादी की एप डाउनलोड करे।

https://apps.apple.com/us/app/asli-azadi-epaper/id714903373

एंड्रोयड फोन यूज़ करने वाले नागरिक इस लिंक को डाउनलोड करके या बार कोड को स्केन करके असली आजादी की एप डाउनलोड करे।

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.readwhere.whitelabel.asliazadi

दमण में परमहंस बावलिया बाबा की 113वीं पुण्यतिथि एवं भजन संध्या का 29 दिसंबर को होगा आयोजन

■ श्री झरी-मरी माताजी मंदिर से निकलेगी बाबा की निशान यात्रा

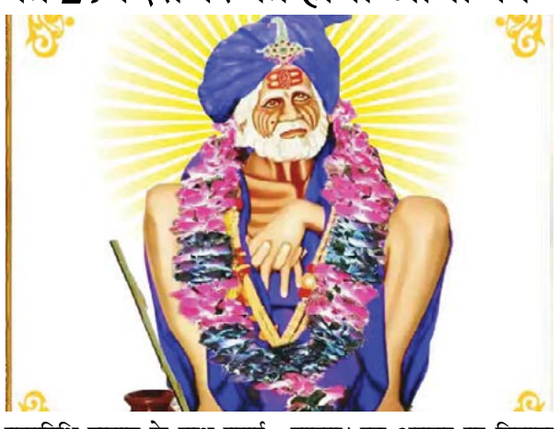

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 दिसंबर। शेखावटी के आराध्य संत परमहंस बावलिया बाबा की 113वीं पुण्यतिथि दमण-वापी-सिलवासा श्री बावलिया बाबा सेवा समिति द्वारा सोमवार 29 दिसंबर को नानी दमण के कोली पटेल समाज हॉल में शाम 6 बजे से प्रभु इच्छा तक भजन कीर्तन के साथ मनाई जाएगी। इस दौरान भजन सम्राट श्री प्रकाशदास महाराज भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए दमण-वापी-सिलवासा की श्री बावलिया बाबा सेवा समिति के कार्यकर्ताओं ने बताया कि बावलिया बाबा, पंडित गणेश नारायणजी की 113वीं पुण्यतिथि उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस दौरान सोमवार 29 दिसंबर को शाम 4 बजे दमण के खारीवाड स्थित श्री झरी-मरी माताजी मंदिर से बाबा की भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। जिसके बाद कोली पटेल समाज हॉल में बाबा का अलौकिक श्रृंगार, अखंड ज्योति तथा महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विशाल भजन संध्या का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें भजन सम्राट श्री प्रकाशदास महाराज भजनों की प्रस्तुति देंगे। समिति द्वारा 29 दिसंबर को बावलिया बाबा की पुण्यतिथि पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सभी से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया गया है।

27 अप्रैल 2026 को राष्ट्रव्यापी गौ सम्मान दिवस

राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने हेतु गौ सम्मान आह्वान अभियान का हुआ आगाज

■ गौ सम्मान आह्वान अभियान की दमण में हुई राज्य स्तरीय बैठक

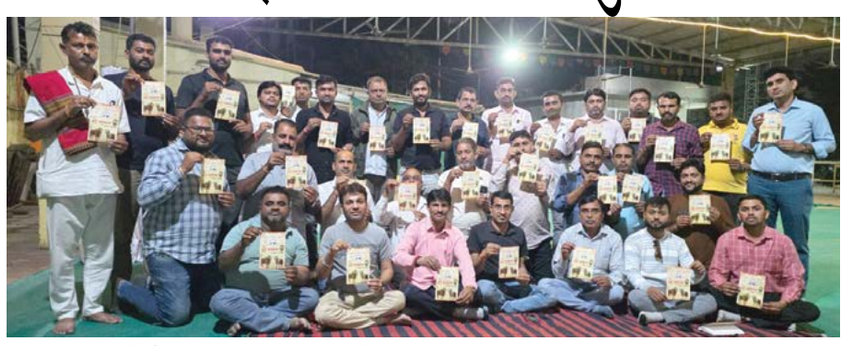

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 दिसंबर। दमण स्थित श्री भीडभंजनेश्वर महादेव देवालय में गौ सम्मान आह्वान अभियान की राज्य स्तरीय बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में संतों, गौ भक्तों और गौसेवकों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यह अभियान किसी संस्था, संगठन या राजनीतिक दल के बैनर तले नहीं, बल्कि गौमाता और नंदी बाबा के सानिध्य में संचालित होगा। सम्मेलन में उपस्थित संतों और गौसेवकों ने एक स्वर में कहा कि इस अभियान का उद्देश्य गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाना, गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करवाना और गोवर्धन संस्कृति के संरक्षण के लिए ठोस सरकारी नीतियां बनवाना है। उपस्थित संतों ने सरकार से आग्रह किया कि गौ रक्षा के लिए केन्द्रीय कानून बनाया जाए, गौहत्या और गौतस्करी में लिप्त अपराधियों को आजीवन कारावास का प्रावधान हो तथा जप्त किए गए वाहनों को गौशालाओं के उपयोग में लाया जाए। इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि गोबर और गौमूत्र पर आधारित अनुसंधान विश्वविद्यालय स्थापित किए जाएं, पंचगव्य औषधियों का आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में निःशुल्क वितरण किया जाए तथा सरकारी भवनों में गोबर पेंट और गौनाइल का उपयोग अनिवार्य किया जाए। गौशालाओं को मनरेगा से जोड़ा जाए, बिजली बिल में छूट मिले और निराश्रित गौवंश की सेवा के लिए चारे की उचित व्यवस्था हो।

छह माह लगातार गौ संकीर्तन: अभियान से जुड़ी कार्ययोजना के अनुसार, जनवरी से मार्च 2026 तक पूरे देश में प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके बाद अप्रैल में प्रत्येक तहसील और जिला मुख्यालय पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम प्रार्थना पत्र सौंपे जाएंगे। यदि अपेक्षित उत्तर न मिला, तो जुलाई और अक्टूबर 2026 में पुनः चरणबद्ध रूप से यह प्रक्रिया दोहराई जाएगी। इसके बाद 27 फरवरी 2027 को देश के 800 जिलों और 5000 तहसीलों से आए संत और गौभक्त देश की राजधानी दिल्ली में एकत्र होकर शांतिपूर्ण संकीर्तन के माध्यम से गौ सेवा, गौ सुरक्षा और गौ सम्मान के लिए केन्द्र सरकार से आह्वान करेंगे। यह संकीर्तन छह माह यानी 15 अगस्त 2027 तक चलेगा।

गैरराजनीतिक स्वरूप में होगा अभियान: अभियान पूरी तरह अहिंसक रहेगा, इसमें किसी प्रकार का भाषण, मंचीय उद्घोषणा या राजनीतिक स्वरूप नहीं होगा। कोई भी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा, केवल संकीर्तन, प्रार्थना और जनजागरण के माध्यम से संदेश दिया जाएगा। अभियान का प्रतीक केवल नंदी महाराज और गौमाता का चित्र होगा। आयोजन समिति ने देश के सभी गौ प्रेमियों से इस पवित्र और निष्काम आंदोलन से जुडने की अपील की है।

दीव पुलिस ने जप्त किया अवैध शराब का जत्था

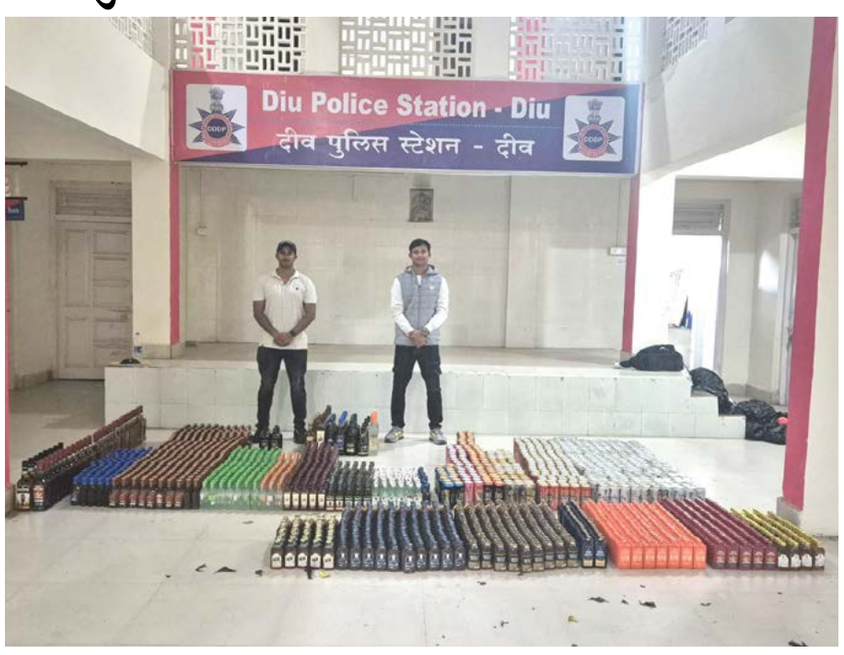

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 22 दिसंबर। दीव पुलिस ने लोगों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा उपायों को बढ़ा दिया है। इन उपायों के तहत पूरे जिले में खासकर रात के समय, अतिरिक्त पेट्रोलिंग, भीड़भाड वाले इलाकों में निगरानी बढ़ाना और चेक-पोस्ट पर कड़ी चेकिंग की जा रही है। इसी दौरान उच्च अधिकारियों से मिले निर्देश के अनुसार हेड कांस्टेबल केतन राठोड और हेड कांस्टेबल जितेन्द्र पंड्या, वणाकबारा विस्तार में स्पेशल ड्राइव पेट्रोलिंग कर रहे थे। तभी 17 दिसंबर 2025 को लगभग 8.30 बजे गुप्त सूत्रों से जानकारी मिली कि कुछ अज्ञात लोगों ने वणाकबारा इलाके में अलग-अलग जगहों पर शराब का जत्था छिपा रखा है। जानकारी के आधार पर, वणाकबारा जेटी के पास एक सुनसान घर और फेरी बोट जेटी के आस-पास के इलाके में तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान काले पॉलिथीन में छिपाकर रखा गया शराब का जत्था बरामद हुआ। जांच करने पर काले पॉलिथीन से इंडियन मेड फॉरेन लिकर (आईएमएफएल) बरामद हुई, जिसका शक है कि इसे अवैध रूप से गुजरात राज्य में ले जाया जा रहा था। बड़ी मात्रा में अवैध शराब का जत्था जप्त किया गया। आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए दीव के एक्साइज विभाग को सौंप दिया गया। इस दौरान पुलिस ने अलग-अलग ब्रांड की कुल 209411 रुपये की अवैध शराब जप्त की है।

सेवा पर्व 2025 के तहत दीव में विकसित भारत थीम पर जिला स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 22 दिसंबर।

सेवा पर्व-2025 के तहत दीव डिस्ट्रिक्ट लेवल पर विकसित भारत थीम पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मानशीन बामणिया ने पेंटिंग की ओपन (जनरल) कैटेगरी में तीसरा रैंक हासिल किया। विकसित भारत पर बेस्ड पेंटिंग में मॉडर्न आर्ट स्टाइल में भारत के हर तरफ के विकास के विजन को शानदार तरीके से पेश किया गया। तस्वीर में रंगों के अलग-अलग डायनामिक्स के जरिए देश की तरक्की, साइंस, टेक्नोलॉजी, एनर्जी, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट, एनवायरनमेंट, योग, आध्यात्मिक , मानव मूल्यों एवं मानवीय शक्ति के अलग-अलग पहलुओं को एक साथ दिखाया गया है। पेंटिंग में उपग्रह और सूरज जैसे सिंबल के जरिए अंतरिक्ष विज्ञान, नवीनीकरणीय ऊर्जा और उर्जा स्वावलंबन का संदेश दिया गया है। पवन चक्की और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के आकार ग्रीन एनर्जी एवं टिकाऊ विकास की विचारधारा को प्रतिबिंबित करते हैं। भारतीय तिरंगा, अशोक चक्र और सांस्कृति चिन्हों भारत की एकता, लोकशाही मूल्यों एवं राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बना है। उद्योग, पानी के संसाधन, मानव केन्द्रित विकास की भावना को उजागर किया गया है। जहां आम नागरिक तरक्की की ओर बढ़ रहा है। पूरी पेंटिंग में आकृतियाँ और गहरे रंगों का कॉम्बिनेशन एक विकसित भारत का रूप दर्शाता है। यह पेंटिंग सिर्फ़ एक कलात्मक रचना नहीं है, बल्कि विकसित भारत की दृष्टि, सामाजिक समानता, वैज्ञानिक प्रगति, पर्यावरणीय संतुलन एवं सांस्कृतिक गौरव को दर्शाती है।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)